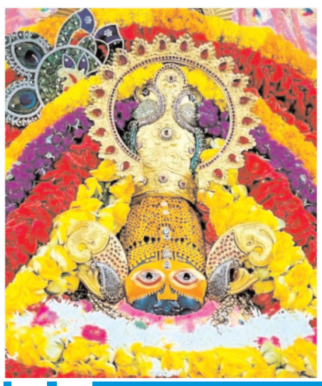

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:250। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शनिवार) 02 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर फिर डाले जाएंगे वोट

• ईसी ने कहा - 2 मई को होगा पुनर्मतदान

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगरा हाट पश्चिम क्षेत्रों के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग के निर्देशानुसार इन सभी केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक होगा। इन 15 मतदान केंद्रों में 143-डायमंड हार्बर एसी के चार और 142-मगराहाट पश्चिम एसी के 11 मतदान केंद्र शामिल हैं, जहां पर फिर से शनिवार को वोटिंग होगी। आयोग ने यह फैसला मतदान के दौरान मिली शिकायतों और अनियमितताओं की रिपोर्ट के आधार पर लिया है। जिन बूथों पर गड़बड़ी की आशंका जताई गई थी।

मतगणना से पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी, केंद्रीय पर्यवेक्षकों की तैनाती पर हाईकोर्ट से रद्द हुई थी याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था। यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारी भी शामिल थे। तृणमूल कांग्रेस का मानना था कि यह फैसला निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अपनी याचिका में इस पर गंभीर सवाल उठाए थे। पार्टी ने तर्क दिया था कि यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। अब तृणमूल कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाने का निर्णय लिया है।तृणमूल कांग्रेस ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि केवल केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती अनुचित है। उनका कहना था कि इससे मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा हो सकता है। पार्टी ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी पर्यवेक्षक के रूप में शामिल करने की मांग की थी। उन्होंने चुनाव आयोग के इस विशेष फैसले को चुनौती दी थी। तृणमूल कांग्रेस ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में अपील की है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि सर्वोच्च न्यायालय उनकी दलीलों पर गंभीरता से विचार करेगा।

यूपी-बिहार-कर्नाटक में 2 दिन में आंधी-बारिश से 32 मौतें

हिमाचल में ग्लेशियर टूटकर सड़क पर गिरा; राजस्थान-महाराष्ट्र में पारा 44°C पार

एजेंसी

नई दिल्ली/जयपुर/भोपाल/लखनऊ ।पिछले 15 दिन से भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में तेज हवाओं के साथ बारिश से कुछ राहत मिली। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड में आंधी-बारिश और ओले गिरने से तापमान में 3-5एष्ट तक की गिरावट हुई। यूपी में पिछले दो दिनों के दौरान आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो गई। बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार रात तेज बारिश और आंधी के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह में पहाड़ से ग्लेशियर टूटकर अचानक सड़क पर गिर गया। इस दौरान वहां सड़क से बर्फ हटाने में जुटे कर्मचारी और मजदूरों ने भागकर किसी तरह जान बचाई। हालांकि, राजस्थान और महाराष्ट्र में गर्मी से कोई राहत नहीं मिली है। महाराष्ट्र का चंद्रपुर देश में सबसे गर्म जगह रही। यहां तापमान 44.6°C दर्ज हुआ। राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में 44°C तापमान रहा।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

2 मई : पाकिस्तान से सटे राजस्थान में लू चलेगी। साथ ही आंधी बारिश का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल, दक्षिण कर्नाटक में आंधी बारिश का यलो अलर्ट है।

सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु और केरलम में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है।

3 मई : जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और केरलम में बारिश होगी।

बंगाल, असम, मेघालय और सिक्किम में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। पश्चिमी राजस्थान में लू का अलर्ट है। वहीं तमिलनाडु पुडुचेरी में उमस भरा मौसम रहेगा।

हैदराबाद के शमशाबाद में सड़क हादसा, 6 की मौत

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित शमशाबाद इलाके में आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने इसकी पुष्टि

की है। पुलिस के मुताबिक हादसा ओआरआर एग्जिट गेट नंबर 16 के पास हुआ। सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी को पीछे से आ रही कार ने टक्कर मार दी। लॉरी के पिछले हिस्से में फंसी कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जान गंवाने वाले सभी लोग राजन्ना सिरसिल्ला जिले के निवासी थे।

कोलकाता स्ट्रॉन्गरूम विवाद पर प्रमोद तिवारी बोले- खतरे में है लोकतंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस से राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने शुक्रवार को कोलकाता स्ट्रॉन्गरूम विवाद पर चिंता जताते हुए चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर कर सकती हैं। तिवारी ने समाचार एजेंसी बातचीत में बताया, 'जहां भाजपा सत्ता में नहीं है, वहां लोग अपनी चिंताएं उठा पा रहे हैं। लेकिन जहाँ भाजपा-शासित सरकारें हैं, वहां सवाल उठाए जा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि वह किसी पर सीधे आरोप नहीं लगा रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पैटर्न की ओर इशारा कर रहे हैं, जिसकी उनके अनुसार जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'जब भारत निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जाते हैं, तो भाजपा के प्रवक्ता तुरंत स्पष्टीकरण देने के लिए आगे आ जाते हैं, जिससे स्वाभाविक रूप से दोनों के बीच संबंधों को लेकर सवाल उठते हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राज्यसभा में पहले ही एक नोटिस पेश कर दिया है। उन्होंने कहा,

'इसीलिए हमने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ राज्यसभा में एक नोटिस सौंपा है। अगर हर जगह ऐसी घटनाएं होती रहीं, तो देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा।' पार्टी के रुख को दोहराते हुए तिवारी ने चुनावी पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, 'कांग्रेस स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की पूरी तरह वकालत करती है और यह मांग करती है कि मतगणना पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जाए।'

'सफेदपोश' गुंडों की गीदड़ धमकियों से नहीं डरेगा 'महानगर मेट्रो'; जगत पारेख और उसकी 'तोड़बाज' मंडली का अंत अब निश्चित

सबूत मांगने पर भागे, नोटिस मिलने पर भी साधी चुप्पी; अब मानहानि का डर दिखाकर सच को दबाने की नाकाम कोशिश कर रहा है फिरौती गिरोह

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले जैन समाज को अपनी 'गुंडागर्दी' से डराने का सपना देखने वाले सावधान हो जाएं! महानगर मेट्रो ने जब से जगत पारेख, हार्दिक हुडिया और विक्रम बाफना जैसे 'धर्म के दुश्मनों' का काला चिट्ठा खोला है, तब से इस गिरोह की चूलें हिल गई हैं। खुद को बड़ा दिखाने वाले ये 'ब्लैकमेलर्स' अब कानूनी कार्रवाई की गीदड़ धमकियां दे रहे हैं, लेकिन इन्हें शायद पता नहीं कि पवन माकन की कलम न कभी बिकी है, न कभी किसी अपराधी के आगे झुकी है।

गादीपति महाराज का सीधा पत्र, फिर भी चुप्पी क्यों?

सच और झूठ का फैसला उसी दिन हो गया था जब गादीपति महाराज ने स्वयं कल्पेश संघवी और जगत पारेख को लिखित पत्र भेजकर चुनौती दी थी। महाराज ने स्पष्ट कहा था– 'यदि तुम्हारे पास कोई सबूत, दस्तावेज या फोटो हैं, तो सामने लाओ।' लेकिन हफ्तों बीत जाने के बाद भी इस गिरोह के पास कोई जवाब नहीं था। इसके बाद जब वकील के जरिए कानूनी

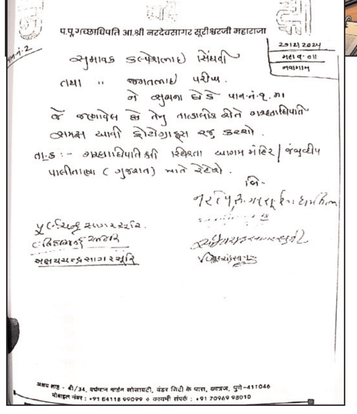
प.पू.गच्छाधिपति आ.श्री नरदेवसागर सूरीश्वरजी महाराजा

અક્ષય શાહ - बी/34, वर्धमान गार्डन सोसायटी, चंदर सिटी के पास, कात्रज, पुणे-411046
मोबाइल नंबर : +91 84118 99099 ○ कायमी संपर्क : +91 70969 98010

नोटिस भेजा गया, तब भी इन 'कायरों' ने चुप्पी साधे रखी।

महानगर मेट्रो का सीधा सवाल: जिसके पास सच्चाई होती है, वह सीना ठोक कर सामने आता है। जो अंधेरे में छिपकर 'हनीट्रैप' और 'फेक न्यूज़' का धंधा करते हैं, वही नोटिस मिलने पर बिल में घुस जाते हैं।

धमकी का जवाब: हम सच दिखाना बंद नहीं करेंगे!

अब यह गिरोह महानगर मेट्रो को मानहानि के मुकदमे की धमकी दे रहा है। हम इस गिरोह को बता देना चाहते हैं कि मानहानि उसकी होती है जिसकी कोई 'मान' या 'इज्जत' हो। जो समाज के प्रतिष्ठित लोगों को हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों की फिरौती मांगते हों,

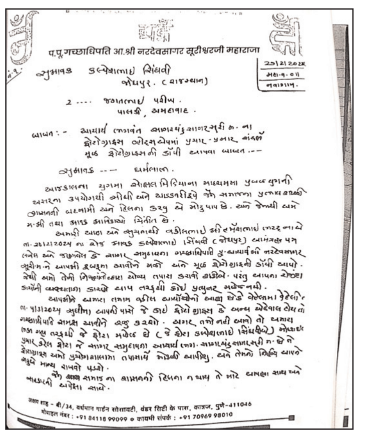
प.पू.गच्छाधिपति आ.श्री नरदेवसागर सूरीश्वरजी महाराजा

अक्षय शाह - बी/34, वर्धमान गार्डन सोसायटी, चंदर सिटी के पास, कात्रज, पुणे-411046
मोबाइल नंबर : +91 84118 99099 ○ कायमी संपर्क : +91 70969 98010

जो जैन मुनियों के विहार पर हमला करवाते हों, उनकी असली जगह समाज के बीच नहीं, बल्कि जेल की सलाखों के पीछे है।

तोड़बाज गिरोह का 'सिंडिकेट' अब बेनकाब

सूरत के वसु जैन जिनालय से लेकर अहमदाबाद के भव्य मंदिरों तक, इस गिरोह ने हर जगह 'अवरोध' पैदा कर पैसा वसूलने की कोशिश की। इनका काम करने का तरीका साफ है:

पहले निर्माण में अड़ंगा डालो।

फिर फर्जी शिकायतों और चरित्र हनन का डर दिखाओ।

और अंत में करोड़ों की 'सेटलमेंट' की डिमांड करो।

लेकिन अब जैन समाज जाग चुका है। महानगर मेट्रो इस गिरोह के हर एक मोहरे, हर एक मददगार और इनके पीछे छिपे सफेदपोश चेहरों को बेनकाब करके ही दम लेगा।

पवन माकन (ग्रुप एडिटर) की दहाड़:

'जगत पारेख और उसकी टोली सुन ले– तुम्हारी धमकियां उन लोगों के लिए होंगी जो डरते हैं। महानगर मेट्रो 'जनता का अखबार' है। तुमने धर्म की आड़ में डकैती का धंधा बना लिया है, जिसे हम जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। हमारी कलम तब तक चलेगी, जब तक तुम जैसे अपराधी सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते। सच दिखाने की हिम्मत हममें है, और उसे बर्दाश्त करने की ताकत तुम जुटा लो!'

प्रशासन को सीधी चेतावनी:

महानगर मेट्रो गुजरात के गृह विभाग और पुलिस महानिदेशक से मांग करता है कि इस 'ऑर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट' पर तत्काल 'गुंडा एक्ट' लगाया जाए। धार्मिक शांति भंग करने वाले इन तत्वों की संपत्ति की जांच हो और इनके 'हनीट्रैप' नेटवर्क का पर्दाफाश किया जाए।

मुंबई में 1745 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

गृह मंत्री शाह ने एनसीबी को दी बधाई

एजेंसी

मुंबई । नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बधाई देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हम नशीले पदार्थों के कार्टेल को पूरी तरह से कुचलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। गृह मंत्री ने लिखा कि एनसीबी ने नशीले पदार्थों के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मुंबई में 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह 'बॉटम-टू-टॉप' (नीचे से ऊपर) दृष्टिकोण का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप का पता लगाते हुए एक विशाल नेटवर्क को बेनकाब किया। इस शानदार सफलता के लिए टीम एनसीबी को बधाई। बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह जब्ती एक छोटे कंसाइनमेंट को ट्रैक करते हुए, बड़े नेटवर्क तक पहुंचने वाली 'नीचे से ऊपर' रणनीति का हिस्सा है। यह मामला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़ा है। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने 28 अप्रैल को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा था कि नार्को सिंडिकेट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस। उन्होंने लिखा था कि एनसीबी ने तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि मोदी सरकार के ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के मिशन के तहत, हमारी नार्कोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के ज़रिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। अब वे कहीं भी छिप जाएं, ड्रग सरगनाओं के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। बीते महीने 28 अप्रैल को एनसीबी की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया था कि नई दिल्ली में 1 एनसीबी जोनल डायरेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2026 का समापन हुआ, जिसमें एनसीबी की सभी फील्ड इकाइयों ने अगले तीन वर्षों में पूरे देश में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग से प्रभावी ढंग से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एनसीबी की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया था कि एनसीबी के डीजी ने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे गृह मंत्री अमित शाह के विजन के अनुरूप, नेटवर्क-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाकर रोडमैप के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मासिक लक्ष्य हासिल करें।

'खाकी' की गोद में बैठा 'खूनी' माफिया; क्या शहर को लट्ठाकांड की आग में झोंकने की तैयारी है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अंकलेश्वर/भरूच। गुजरात में शराबबंदी का कानून सिर्फ एक कागजी मजाक बनकर रह गया है, और इसका सबसे खौफनाक चेहरा औद्योगिक राजधानी अंकलेश्वर में नजर आ रहा है। यहाँ कानून की रखवाली करने वाली 'खाकी' ने जुर्म के साथ 'फेरे' ले लिए हैं। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के 'जीरो टॉलरेंस' के दावों की धज्जियां उड़ाते हुए अंकलेश्वर पुलिस अब अपराधियों की 'बॉडीगार्ड' बन चुकी है।

विजय का 'कमानांतर प्रशासन': चोटा बाजार बना अपराधियों का स्वर्ग

रेलवे स्टेशन के पास स्थित चोटा बाजार की गलियों में पुलिस का नहीं, बल्कि 'विजय' नाम के अपराधी का सिक्का चलता है। यहाँ 'वरली मटका' और 'आसरा' जैसे सट्टे के अड्डों पर रोजाना लाखों का काला कारोबार होता है। वापी, वलसाड और सूरत से लोग

यहाँ अपनी किस्मत हारने आते हैं, और पुलिस 'हफ्ता वसूली' के नशे में अपनी आंखें मूंदे बैठी है।

विश्वासघात की पराकाष्ठा: मुखबिरों की सुपारी दे रही है पुलिस!

महानगर मेट्रो की जांच में जो कड़वा सच सामने आया है, वह रोंगटे खड़े कर देने वाला है। स्थानीय पुलिस और LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) के कुछ अधिकारी अब सिर्फ भ्रष्ट नहीं रहे, वे 'गद्दार' हो चुके हैं:

* मुखबिरों की जान को खतरा: जब कोई जागरूक नागरिक पुलिस को सूचना देता है, तो वर्दीधारी अपराधी को पकड़ने के बजाय मुखबिर का नंबर अपराधी 'विजय' को थमा देते हैं।

* 'नील रेड' का ड्रामा: LCB को पुख्ता खबर दी गई, लेकिन टीम वहां गई, 'सेटिंग' की चाय पी और कागजों पर 'सब ठीक है' दिखाकर लौट आई।

पीआई का ब्लॉक लिस्ट: जब रक्षक ही बन जाए भक्षक

हैरानी की बात तो यह है कि जब हमारे संवाददाता ने पीआई चावड़ा (ए-डिवीजन) और पीआई वाला से इस अवैध धंधे पर सवाल करना चाहा, तो कार्यवाही के बजाय उन्होंने 'महानगर मेट्रो' का नंबर ही ब्लॉक कर दिया। साहब! फोन ब्लॉक करने से सच ब्लॉक नहीं होगा। क्या आपका जमीर मर चुका है? या विजय के काले धन की चमक ने आपकी आँखों की रोशनी छीन ली है?

महानगर मेट्रो के सीधे और तीखे सवाल:

1.भरूच एसपी साहब! क्या आपका इंटेलिजेंस सो गया है या आपकी नाक के नीचे चल रहे इस 'हफ्ता राज' में आपकी भी मौन सहमति है?

2.क्या किसी लाश का इंतजार है? अंकलेश्वर में बिक रही केमिकल युक्त जहरीली शराब किसी भी दिन बड़े ल?ठाकांड को अंजाम दे सकती है। क्या पुलिस बेगुनाहों के जनाजे उठने का इंतजार कर रही है?

3.क्या यह सरकार के खिलाफ साजिश है? खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ाकर क्या ये भ्रष्ट अधिकारी गुजरात सरकार की छवि को धूल में मिलाने का षड्यंत्र रच रहे हैं?

SMC ही आखिरी उम्मीद!

अंकलेश्वर पुलिस की लाचारी और सेटिंग यह साबित करती है कि अब स्थानीय तंत्र से भरोसा उठ चुका है। अब गांधीनगर की 'स्टेट मॉनिटरिंग सेल' को ही हस्तक्षेप करना होगा। सावधान अंकलेश्वर! माफिया और पुलिस का यह नापाक गठजोड़ शहर की रगों में जहर घोल रहा है। महानगर मेट्रो इस 'खूनी कारोबार' का पर्दाफाश तब तक जारी रखेगा, जब तक 'विजय' और उसे पालने वाले सफेदपोश अधिकारी सलाखों के पीछे नहीं पहुँच जाते।

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा, सरकार पर बरसे Rahul Gandhi

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देश में एक बार फिर महंगाई ने आम आदमी और छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में ताजा बढ़ोतरी के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता Rahul Gandhi ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। Rahul Gandhi ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने छोटे कारोबारियों, रेस्तरां संचालकों और आम जनता को गंभीर संकट में डाल दिया है। उनका आरोप है कि सरकार आम लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है, जबकि आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार आसमान छू रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर खाने-पीने की चीजों पर पड़ेगा, जिससे महंगाई और बढ़ेगी और इसका सबसे ज्यादा नुकसान मध्यम वर्ग और गरीब तबके को उठाना पड़ेगा। राजनीतिक हलकों में इस बयान के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। जहां एक ओर विपक्ष सरकार को घेरने में जुटा है, वहीं सत्ताधारी पक्ष का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार और अन्य आर्थिक कारणों के चलते कीमतों में बदलाव होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि कमर्शियल गैस की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर बाजार पर पड़ता है, जिससे होटल, ढाबा और अन्य छोटे व्यवसायों की लागत बढ़ जाती है

बंगाल के बाद दिल्ली पर नजर? बयान से गरमाई सियासत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देश की राजनीति में एक बार फिर तीखे बयानों ने माहौल गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में मजबूत पकड़ रखने वाली Mamata Banerjee को लेकर इन दिनों नए सियासी कयास लगाए जा रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बंगाल में अपनी स्थिति मजबूत करने के बाद अब उनकी नजर राष्ट्रीय राजनीति, खासकर दिल्ली की सत्ता पर हो सकती है। हालांकि, इस तरह के दावों पर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बयानबाज़ी और अटकलों ने सियासी पारा जरूर चढ़ा दिया है। सूत्रों और विश्लेषकों का मानना है कि विपक्षी दलों के बीच भाजपा के खिलाफ एक व्यापक रणनीति तैयार करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। ऐसे में Mamata Banerjee की भूमिका को लेकर चर्चाएं होना स्वाभाविक माना जा रहा है।

वहीं, सत्ताधारी Bharatiya Janata Party के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने वाले कई विपक्षी नेता लगातार केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन भाजपा भी अपनी रणनीति और संगठनात्मक ताकत के दम पर मजबूत जवाब देने में जुटी हुई है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले चुनावों से पहले इस तरह के बयान और रणनीतिक संकेत और भी तेज होंगे, जिससे देश की राजनीति और अधिक दिलचस्प होने वाली है।

निष्कर्ष

देश की राजनीति अब सिर्फ राज्यों तक सीमित नहीं रही, बल्कि हर बड़ा नेता राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका तलाश रहा है। अब देखना यह होगा कि ये बयान महज सियासी गर्मी तक सीमित रहते हैं या फिर आने वाले समय में कोई बड़ा राजनीतिक समीकरण बनता है।

'राजशांति आशियाना' वृद्ध आश्रम का शुभारंभ 3 मई को

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर।(प्रदीप जैन) राजशान्ति आशियाना के अध्यक्ष रितेश बाफना एवं सचिवद्वय हर्ष मेहता, अदिति सुराणा ने बताया कि समाज में वरिष्ठ नागरिकों की सेवा, सुरक्षा और सम्मान को समर्पित 'राजशांति आशियाना (ब्रह्मधाम)' वृद्ध आश्रम का भव्य शुभारंभ 3 मई 2026, रविवार को प्रातः 8 बजे पुष्प वाटिका, ड्रीम वर्ल्ड रिसोर्ट, नेनोद (इंदौर) में होगा। कार्यक्रम में गादीपति पीठाधीश्वर श्री पवनानंद जी ब्रह्मचारी व श्री विपिन जैन की पावन निश्रा में पूजा-अर्चना व गृह प्रवेश के साथ लोकार्पण किया जाएगा। मुख्य भामाशाह के रूप में प्रवीण दिलीप राजकुमार जैन, संतोष चित्रा जैन व विनय मंगारमानी का विशेष योगदान रहेगा। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आलोक झोलिया, श्रीमती शोभा धारीवाल, विमल तोड़ी, डॉ. देविश जैन व विनोद भंडारी होंगे, जबकि विशेष अतिथियों में विधायक मधु वर्मा, प्रकाश भटेवरा, धीरज खंडेलवाल, डॉ. सुनील बाठिया, टीना जैन, रमेश भंडारी, प्रियंका जैन व सुरेश देशलहरा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे। राजशान्ति आशियाना की रेखा सुराणा एवं सतीश जैन ने बताया आश्रम बुजुर्गों के लिए सुरक्षित आवास, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं व स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करेगा, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। आयोजकों ने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुनीत पहल को सफल बनाने की अपील की है।

जप, तप, ध्यान और सेवाः 2 मई को मनेगा सद्गुरु सुधांशु जी महाराज का जन्मोत्सव

विश्व जागृति मिशन मनाएगा सुधांशु महाराज का 71वां अवतरण दिवस, घर-घर गूंजेगा गायत्री महामंत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल के अध्यक्ष प्रहलाद राय चेतावनी , सचिव सौरभ खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश पटेल ने बताया कि सद्गुरु सुधांशु जी महाराज का प्रथम नगर आगमन सन 2004 में स्टेट हाई स्कूल मैदान संस्कारधानी राजनांदगांव हुआ था 22 वर्षों की निरंतर सेवा सद्गुरु के मार्गदर्शन से विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल द्वारा निरंतर संचालित की जा रही है भक्तों के प्रिय सद्गुरु सुधांशु जी महाराज सरल सहज और प्रेरणादायक प्रवचनों से भक्तों को ध्यान भक्ति सेवा सदाचार और धर्म संस्कृति के पाठ से उनके जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाले विश्व वंदनीय संत पूज्य सद्गुरु श्री सुधांशु जी महाराज मानव समाज में व्याप्त अंधविश्वास आडंबर अज्ञान कुरीतियों और निराशा हताशा के वातावरण को दूर कर लोगों के दिलों में विश्वास प्रेम सामंजस्य सेवा सहयोग और समर्पण के भाव भरकर उन्हें धर्म संस्कृति संयुक्त संस्कारमय जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं ।

पूज्य महाराज श्री ने परिवार समाज और राष्ट्र के लिए ही नहीं अपितु वसुदेव कुटुंबकम के भाव से लोक मंगल और विश्व कल्याण के लिए विश्व जागृति मिशन परिवार की स्थापना कर अपनी 51 वर्षीय प्रवचन यात्रा में मानव चेतन को जागृत कर लोगों के जीवन की दिशा और दशा परिवर्तन के सूत्र दिए आप धर्म संस्कृति में अंतर निहित जीवन मूलयों मानवीय संबंधों आदर्श मर्यादाओं और परंपराओं को वर्तमान युग में वैज्ञानिक कसौटी पर परख कर उन्हें प्रमाणित कर करोड़ों करोड़ भक्तों का जीवन रूपांतरित कर रहे हैं

इस वर्ष पूज्य महाराज श्री का 71 वा अवतरण दिवस जन्मोत्सव 2 मई 2026 को धर्म संस्कृति महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है

विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल के सचिव सौरभ खंडेलवाल ने आगे बताया कि विश्व विख्यात संत परम पूज्य सद्गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज का 71 वा अवतरण दिवस 2 मई शनिवार को धर्म संस्कृति महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा राजनांदगांव विश्व जागृति मिशन परिवार के प्रत्येक घरों में शिष्यों द्वारा सामूहिक रूप से ठीक प्रातः 10:00 हम सब शिष्यों के आराध्य सद्गुरु के दीर्घायु सत्तायु जीवन के लिए प्रभु से सामूहिक प्रार्थना करते हुए गुरु मंत्र ईस्ट मंत्र व मंत्रों में महामंत्र गायत्री महामंत्र की माला का जाप किया जाएगा। धर्म के प्रचार प्रसार के लिए धार्मिक पुस्तकों का वितरण किया जाएगा एवं भारतीय सनातन संस्कृति जप तप, ध्यान, यज्ञ धार्मिक पुस्तकों का पठन पाठन कर जीवन संचेतना पुस्तक का वितरण करते हुए अपनी संस्कृति की रक्षा का सामूहिक संकल्प सद्गुरु के पावन अवतरण 'दिवस उल्लास पर्व जन्मोत्सव पर समस्त शिष्य संस्कृति रक्षा का सामूहिक संकल्प लेंगे । सद्गुरु सुधांशु जी महाराज की मंगलमय आरती उतारकर सहपरिवार गुरुदेव भगवान के गगनभेदी जय घोष के साथ उल्लास पर्व का का समापन होगा । उपरोक्त जानकारी विश्व जागृति मिशन राजनांदगांव मंडल के सचिव सौरभ खंडेलवाल ने दी

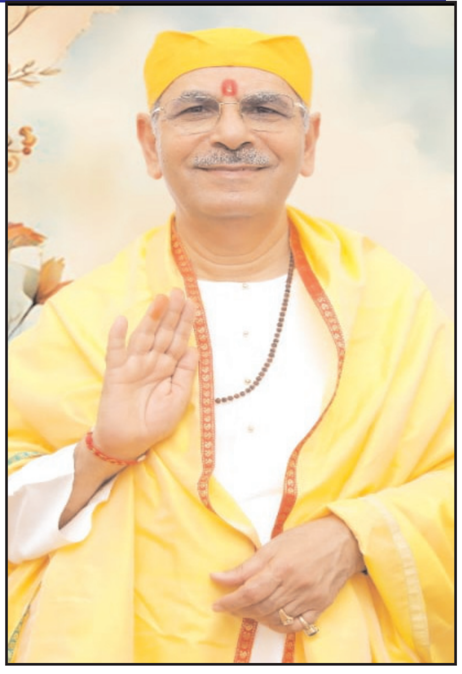

'क्या कांग्रेस सच में भ्रष्टाचार की प्रतीक थी, या यह एक गढ़ी हुई धारणा ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारत की राजनीति में पिछले कुछ दशकों से एक बड़ा सवाल लगातार उठता रहा है– क्या कांग्रेस वास्तव में उतनी ही भ्रष्ट थी, जितना उसे प्रस्तुत किया गया, या फिर यह एक सुनियोजित राजनीतिक नैरेटिव का हिस्सा था करीब 57 वर्षों तक देश की सत्ता संभालने वाली कांग्रेस पार्टी पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे। लेकिन समर्थकों का दावा है कि इतने लंबे शासन के बावजूद पार्टी का घोषित फंड सीमित था, जिससे यह सवाल खड़ा होता है

कि क्या भ्रष्टाचार का आरोप वास्तविकता से ज्यादा एक धारणा थी राजनीतिक नैरेटिव की जंग राजनीतिक विश्लेषकों का एक वर्ग मानता है कि देश में वैचारिक संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा कांग्रेस के खिलाफ एक मजबूत माहौल तैयार किया गया। इस दौरान कई घटनाएं–जैसे कि सांप्रदायिक तनाव और बड़े विमर्श के केंद्र में रहे। हालांकि, इन घटनाओं को किसी एक पार्टी या संगठन से जोड़ना एक गंभीर विषय है, जिस पर अलग-अलग जांच एजेंसियों और न्यायालयों ने समय-समय पर अपनी टिप्पणियां दी हैं। दिल्ली की राजनीति और बदलाव राजधानी दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री Sheila Dikshit के लंबे शासन के बाद अचानक राजनीतिक बदलाव देखने को मिला। इस दौरान Arvind Kejriwal और Anna Hazare के नेतृत्व में चला भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन देशभर में चर्चा का विषय बना। इसी आंदोलन से एक नई राजनीतिक शक्ति उभरी, जिसने दिल्ली की सत्ता में बड़ा परिवर्तन किया। हालांकि, इस आंदोलन के पीछे राजनीतिक समर्थन या रणनीति को लेकर आज भी बहस जारी है। केंद्र की सत्ता और आरोप-प्रत्यारोप पूर्व प्रधानमंत्री Manmohan Singh के नेतृत्व वाली सरकार पर भी कई आरोप लगे, लेकिन उनके समर्थक उन्हें एक ईमानदार और विद्वान नेता मानते हैं।

इंतज़ार करते इमोशंस की आवाज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के इस तेज़ रफ़्तार समय में, जहाँ हर कोई अपनी ज़िंदगी में इतना बिज़ी है कि इमोशंस के लिए टाइम कम होता जा रहा है, एक कोने में बैठा दिल एक छोटी सी उम्मीद के साथ धड़कता रहता है– कि शायद आज कोई मैसेज आ जाए... 'हाय, कैसे हो? '

यह आर्टिकल कोई बड़ी डिमांड नहीं करता, किसी रिश्ते पर प्रेशर नहीं डालता।

यह बस उस इमोशन की आवाज़ है, जो कहती है–

'मुझे तुम्हारा सारा टाइम नहीं चाहिए...

बस थोड़ी सी याद ही काफ़ी है। '

आज बहुत से रिश्ते टूट रहे हैं, क्योंकि लोगों के पास इमोशंस के लिए टाइम नहीं है, लेकिन सच तो यह है कि टाइम नहीं है–ऐसा नहीं है, प्रायोरिटीज़ बदल गई हैं।

किसी को ज़िंदगी में जगह देना बड़े-बड़े वादे करने से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी चीज़ों से होता है–एक मैसेज, एक इन्क्वायरी, एक याद।

वह छोटा सा मैसेज किसी एक इंसान की दुनिया के लिए आम हो सकता है, लेकिन किसी और की दुनिया के लिए वही मैसेज पूरे दिन को खूबसूरत बना सकता है।

आज के ज़माने में लोग 'स्पेस' और 'बिज़ीनेस' के नाम पर दूरियां बढ़ा रहे हैं,

लेकिन रिश्ते को ज़िंदा रखने के लिए आपको ज़्यादा कुछ करने की ज़रूरत नहीं है–

बस ये समझ लें कि,

'कहीं न कहीं कोई है... जो आपका इंतज़ार कर रहा है। '

सच्चे रिश्ते कभी कॉम्प्रोमाइज़ नहीं करते,
बस एक एहसास चाहिए–
कि तुम मेरी ज़िंदगी में कहीं हो...
और मैं तुम्हारी ज़िंदगी में कहीं ज़रूरी हूँ।
ये एहसास किसी एक इंसान का नहीं,
आज के समय में हज़ारों दिलों की सच्चाई है।
समाज के लिए मैसेजः
हम टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए हैं,
लेकिन इमोशंस से दूर होते जा रहे हैं।
चलो उन छोटी-छोटी बातों को फिर से अहमियत दें–
क्योंकि कई बार,
एक Hi' भी किसी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है।

नारी शक्ति वंदन के समर्थन में रायपुर में गूंजी मशाल यात्रा,विपक्ष पर बरसींःरत्नावली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़. भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आज राजधानी रायपुर में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन एवं महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हेतु 'महिला आक्रोश मशाल यात्रा' का आयोजन किया गया। राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में यह मशाल रैली भाजपा प्रदेश कार्यालय एकात्म परिसर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी।

इस मशाल यात्रा में भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण,छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल विशेष रूप से शामिल हुई। उनके साथ महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष एवं सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति ने हाथों में मशाल लेकर भागीदारी दी। रत्नावली कौशल ने संबोधित करते हुए कहा कि 'महिलाओं के अधिकारों पर वार, विपक्ष है जिम्मेदार'। यात्रा में शामिल महिलाओं ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को मातृशक्ति के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ` केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33' आरक्षण देकर आधी आबादी को उसका वास्तविक हक दिया है। यह अधिनियम 'विकसित भारत' के संकल्प में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल वर्षों तक महिला आरक्षण के नाम पर केवल राजनीति करते रहे, परंतु मोदी सरकार ने इसे धरातल पर उतारकर दिखाया है। रत्नावली कौशल ने संबोधित करते हुए कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' केवल आरक्षण का कानून नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का घोषणा-पत्र है। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग की बहनों को भी इसमें प्रतिनिधित्व मिलेगा। आज आवश्यकता है कि इस

अधिनियम की जानकारी घर-घर तक पहुंचे ताकि हर बहन अपने अधिकार के प्रति जागरूक हो। उन्होंने कहा कि विपक्ष महिला विरोधी मानसिकता के कारण इस ऐतिहासिक कानून का विरोध कर रहा है, जिसे मातृशक्ति कभी माफ नहीं करेगी। मशाल यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्', 'नारी शक्ति जिंदाबाद' और 'मोदी है तो मुमकिन है' के गगनभेदी नारे लगाए गए। यात्रा के समापन में वक्ताओं ने संकल्प लिया .

'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' मंजूरी ऐतिहासिक निर्णयः दक्ष वैद्य साहू

घर-घर पाइपलाइन गैस से आम जनता, किसानों और पर्यावरण को होगा सीधा लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। भाजपा किसान मोर्चा के सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह नीति शहरी क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा एवं ऐतिहासिक कदम है।

दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'वन नेशन, वन गैस ग्रिड' के विजन को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार धरातल पर उतार रही है। घरों तक पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पहुंचने से एलपीजी सिलेंडर की तुलना में किफायती, सुरक्षित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी। पीएनजी हवा से हल्की होने के कारण लीकेज होने पर भी उड़ जाती है, जिससे दुर्घटना का खतरा नहीं रहता, जबकि एलपीजी सिलेंडर भारी होने के कारण जमीन पर जमा होकर आग पकड़ सकता है।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ

श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि इस नीति से केवल शहर ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास से बड़े पैमाने पर निवेश आएगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। स्वच्छ ईंधन से खाना पकाने में महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिलेगी और स्वास्थ्य बेहतर होगा। किसान परिवारों का समय और पैसा दोनों बचेंगे क्योंकि बार-बार सिलेंडर बुक करने, लाइन लगाने और ढोने की झंझट खत्म हो जाएगी। 24 घंटे गैस उपलब्ध होने से छोटे होटल, ढाबे, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को भी बढ़ावा मिलेगा। दक्ष वैद्य साहू ने उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'डबल इंजन सरकार' गरीब, किसान, महिला और युवा सभी वर्गों के जीवन को आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उज्ज्वला योजना के बाद घर-घर पीएनजी पहुंचाना मोदी-साय सरकार का अगला बड़ा कदम है। दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि विपक्ष ने वर्षों तक केवल घोषणाएं कीं, लेकिन भाजपा सरकार ने नीति बनाकर उसे मंजूरी देकर दिखा दिया कि हम जनता से किए वादे पूरे करते हैं। भाजपा किसान मोर्चा और हिन्द सेना युवा ब्रिगेड इस नीति का प्रचार-प्रसार करेगी ताकि हर परिवार को योजना की जानकारी मिले और अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों।

मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण हेतु विशेष सत्रः एक तिहाई आरक्षण के संकल्प को मिला व्यापक समर्थन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है कि मातृशक्ति उनके लिए केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि सृजन, संस्कार और सामर्थ्य की आधारशिला है। इसी भावना के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण से जुड़े महत्वपूर्ण विषय पर एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें संसद एवं देश की सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने के संकल्प पर व्यापक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की जो मजबूत नींव रखी गई है, उसी क्रम में उनकी राजनीतिक भागीदारी को भी सशक्त करना हमारा अगला महत्वपूर्ण कदम है। यह संकल्प देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों से पूर्ण रूप से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विशेष सत्र आयोजित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में सदैव याद रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विशेष सत्र में समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों से आई महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में अपने विचार रखे और महिलाओं के अधिकारों तथा उनके सशक्तिकरण के लिए सशक्त स्वर प्रदान किया। सदन में वरिष्ठ विधायकों और महिला नेतृत्व ने भी पूरे मनोयोग से चर्चा में भाग लेते हुए अपने विचार साझा किए और इस महत्वपूर्ण संकल्प का समर्थन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट रूप से कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और अधिकारों के मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न करना न्यायसंगत नहीं है। यह विषय किसी दल या राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र के समग्र विकास और उज्ज्वल भविष्य से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इस दिशा में हर सकारात्मक पहल का समर्थन आवश्यक है।

गोंडल में 'कानून' नतमस्तक! थाने नहीं, 'बापू' के दरबार में हाजिरी भरने जाती है आरोपी को जाना चाहिए जेल या थाना,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल। कहते हैं कि कानून के हाथ लंबे होते हैं, लेकिन राजकोट जिले के गोंडल में लगता है कानून के हाथ 'सत्ता और रसूख' के आगे छोटे पड़ गए हैं। गोंडल में 'बापू' (जडेजा समूह) का दबदबा इस कदर हावी है कि यहाँ खाकी की मर्यादा तार-तार हो रही है। कायदे के मुताबिक, जिस आरोपी को अपनी हाजिरी दर्ज कराने थाने जाना चाहिए, उसके घर पुलिस खुद फाइल लेकर पहुँच रही है।

थाना हुआ दूर, 'दरबार' हुआ मंजूर

नियम कहता है कि अगर किसी आरोपी को शर्त के आधार पर जमानत मिली है या उसकी नियमित हाजिरी अनिवार्य है, तो उसे पुलिस स्टेशन जाकर रजिस्टर में हस्ताक्षर करने होते हैं। लेकिन गोंडल का मंजर कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है। यहाँ रसूखदार आरोपियों का पुलिस स्टेशन जाना तो दूर, पुलिस के जवान खुद प्रोटोकॉल तोड़कर 'साहब' के बंगले पर हाजिरी लेने पहुँचते हैं।

सवाल यह है कि क्या गोंडल में गुजरात पुलिस का मैन्युअल बदल गया है? या फिर वर्दी पर 'खादी' का प्रभाव इतना गहरा है कि पुलिसकर्मी अब अर्दली की भूमिका में आ गए हैं?

दबदबा ऐसा कि सिस्टम मौन

स्थानीय चर्चाओं की मानें तो यह सिलसिला काफी समय से चल रहा है। आम आदमी के लिए डंडा चलाने वाली पुलिस, इन 'बाहुबलियों' के सामने भीगी बिल्ली बनी नजर आती है। जब आरोपी को थाने बुलाने की हिम्मत पुलिस नहीं जुटा पाती, तो आम जनता की सुरक्षा का भरोसा किस पर टिकी है? यह घटना सीधे तौर पर प्रशासन की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़ा करती है।

महानगर मेट्रो के तीखे सवालः

- एसपी और उच्च अधिकारी चुप क्यों? क्या उन्हें नहीं पता कि उनके मातहत कर्मचारी कहाँ हाजिरी भर रहे हैं?
- क्या कानून सबके लिए बराबर है? अगर एक आम नागरिक साइन करने न जाए तो पुलिस उसे घसीटकर ले आती है, फिर यहाँ 'स्पेशल सर्विस' क्यों?
- वर्दी की गरिमा का क्या? क्या पुलिस अब निजी सुरक्षा गार्ड या रिकवरी एजेंट की तरह रसूखदारों के इशारे पर काम करेगी?

जनता में आक्रोश

सोशल मीडिया और गलियारों में इस 'वीआईपी ट्रीटमेंट' की तस्वीरें और खबरें वायरल होने के बाद जनता में भारी रोष है। लोग पूछ रहे हैं कि क्या गोंडल में लोकतंत्र की जगह अब भी 'रियासत' का कानून चलता है? अगर पुलिस खुद चलकर आरोपी के घर सिग्नेचर लेने जाएगी, तो अपराधियों के मन में कानून का खौफ कैसे पैदा होगा?

ब्यूरो रिपोर्टः महानगर मेट्रो

झगड़िया ब्लास्ट कांडः न्याय मांगने पहुंचे विधायक पर FIR, सियासत गरमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले के झगड़िया GIDC क्षेत्र में हाल ही में हुई भीषण आग की घटना अब एक बड़े राजनीतिक मुद्दे के रूप में उभरकर सामने आई है। 23 अप्रैल 2026 को एक केमिकल कंपनी में लगी आग में कई मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए, जिनमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया।

घटना के बाद पीड़ित परिवारों को न्याय और उचित मुआवजा दिलाने के लिए डेडियापाड़ा के विधायक **Chaitar Vasava** मजदूरों के साथ कंपनी परिसर पहुंचे थे। इस दौरान वहां मौजूद पुलिस और स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ उनकी तीखी बहस और कथित झड़प हुई।

घटना के करीब पांच दिन बाद Chaitar Vasava के खिलाफ कई गंभीर FIR दर्ज की गई, जिसके बाद यह मामला और अधिक विवादों में आ गया है। इस कार्रवाई को लेकर अलग-अलग वर्गों में सवाल उठने लगे हैं।

इस मुद्दे पर छात्र नेता Yuvrajsinh Jadeja भी खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस कंपनी में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और जहां मजदूरों की जान गई, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में हुए स्थानीय चुनावों के बाद राजनीतिक दबाव और खींचतान के चलते इस मामले को अलग दिशा देने की कोशिश हो रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं, स्थानीय लोगों और मजदूर संगठनों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। पीड़ित परिवार लगातार न्याय और उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

फिलहाल इस पूरे मामले की जांच जारी है और प्रशासन की ओर से कहा गया है कि सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निष्कर्ष

झगड़िया की यह घटना एक बार फिर औद्योगिक सुरक्षा, मजदूरों के अधिकार और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे गंभीर मुद्दों को सामने लेकर आई है। अब देखना यह होगा कि पीड़ितों को कितना न्याय मिलता है और जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस के भीतर खींचतान तेज, सीएम पद को लेकर बयानबाज़ी से बढ़ी चर्चाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कर्नाटक। की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। सत्ता के भीतर खींचतान की खबरों के बीच नेताओं के बयान अब खुलकर सामने आने लगे हैं, जिससे राजनीतिक अटकलों का दौर और तेज हो गया है। कर्नाटक के गृह मंत्रीG. Parameshwara ने हाल ही में बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर वरिष्ठ और अनुभवी नेता Mallikarjun Kharge को मुख्यमंत्री बनाया जाता है, तो पार्टी के सभी नेता उनका स्वागत करेंगे। इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए Mallikarjun Kharge ने साफ किया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर फिलहाल कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि मीडिया और कुछ लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं, लेकिन राज्य में पहले से ही एक मुख्यमंत्री मौजूद हैं, ऐसे में इस तरह की अटकलों का कोई आधार नहीं है। खरगे ने आगे कहा कि उनके राजनीतिक फैसले हमेशा पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि Sonia Gandhi, Rahul Gandhi और वे खुद मिलकर किसी भी बड़े फैसले पर विचार करते हैं, और इसमें समय लगता है। फिलहाल ऐसी किसी भी चर्चा पर विराम लगाने की जरूरत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह के बयान कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरूनी हलचल की ओर इशारा करते हैं। हालांकि पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर किसी बदलाव की पुष्टि नहीं की गई है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही नेतृत्व को लेकर समय-समय पर चर्चाएं होती रही हैं, लेकिन पार्टी नेतृत्व लगातार एकजुटता का संदेश देने की कोशिश करता रहा है। निष्कर्ष के तौर पर, कर्नाटक की राजनीति में फिलहाल बयानबाज़ी का दौर जारी है, लेकिन वास्तविक निर्णय पार्टी हाईकमान के हाथ में ही है।

सावधान गुजरात! आज से बिना हेल्मेट निकले तो होगी सीधी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। में सड़क सुरक्षा को लेकर अब सख्ती बढ़ा दी गई है। राज्य के कई शहरों में आज से ट्रैफिक पुलिस ने बिना हेल्मेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैफिक विभाग के अनुसार, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और खासकर सिर में लगने वाली गंभीर चोटों को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि हेल्मेट सिर्फ नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे जरूरी साधन है।

अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे बड़े शहरों में पुलिस चेकिंग तेज कर दी गई है। कई जगहों पर विशेष नाके लगाकर वाहन चालकों की जांच की जा रही है और बिना हेल्मेट पाए जाने पर मौके पर ही जुर्माना वसूला जा रहा है।

पुलिस ने साफ कर दिया है कि इस अभियान में किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी। चाहे वह आम नागरिक हो या कोई प्रभावशाली व्यक्ति, नियम सभी के लिए समान रूप से लागू होंगे।

ट्रैफिक अधिकारियों का कहना है कि बार-बार जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद कई लोग नियमों की अनदेखी करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं में जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अब सख्ती जरूरी हो गई है।

नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें और घर से निकलते समय हेल्मेट अवश्य पहनें। एक छोटी सी लापरवाही जिंदगी भर का पछतावा बन सकती है।

निष्कर्ष के तौर पर, यह अभियान केवल जुर्माना वसूलने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। अब जिम्मेदारी आम जनता की है कि वह नियमों का पालन करे और सुरक्षित रहे।

भारत रक्षा मंच के सूर्यकांत केलकरजी का गुजरात दौरा 3 से 9 मई के दौरान विभिन्न शहरों में कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात. भारत रक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री सूर्यकांत केलकरजी 3 से 9 मई 2026 के बीच गुजरात के विस्तृत दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे गांधीनगर, अहमदाबाद, सोमनाथ, मेहसाणा, वडोदरा, थराद और राजकोट सहित कई शहरों में विभिन्न संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे। इस दौरे के दौरान श्री केलकरजी कार्यकर्ता मार्गदर्शन कार्यक्रमों और सार्वजनिक संवादों में भी उपस्थित रहेंगे। संगठन के सूत्रधार के रूप में उन्होंने पूर्व में विद्यार्थी परिषद में मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। उसके बाद उन्होंने सहकार भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के रूप में देशभर में संगठन की मजबूत संरचना खड़ी करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में श्री केलकरजी भारत रक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में देशव्यापी स्तर पर सक्रिय हैं। वे देश में बढ़ती घुसपैठ के खिलाफ जागरूकता अभियान के

साथ-साथ सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा के प्रसार के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में संगठन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक एकता और संवैधानिक ढांचे में राष्ट्रीय मूल्यों को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संगठन के सूत्रों के अनुसार, 'श्री केलकरजी के मार्गदर्शन में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ संवाद आयोजित किया जाएगा और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।' कार्यक्रमों के अनुसार, वे प्रत्येक शहर में कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक दिशा-निर्देश देंगे तथा राष्ट्रीय मूल्यों के प्रसार के लिए कार्य करेंगे। इस दौरे के तहत, गुजरात प्रांत के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कार्यक्रमों में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि, 'ये कार्यक्रम संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे।' श्री केलकरजी के दौरे से संगठन के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी, ऐसी आशा व्यक्त की गई है। संगठन के सूत्रों ने कहा, 'प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन के कार्य को और गति मिलेगी।' इस दौरे के साथ ही संगठन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक एकता के मुद्दों को और अधिक मजबूती मिलेगी, ऐसा संगठन के अधिकारियों ने कहा।

नाबालिग का अपहरण कर गर्भवती बनाने वाले दरिंदे को 20 साल की कठोर जेल अदालत का सख्त रुख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

समाज को शर्मसार करने वाले एक बेहद गंभीर मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एक मासूम नाबालिग का अपहरण कर उसे गर्भवती बनाने वाले दोषी को 20 साल की सख्त कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस फैसले के जरिए कड़ा संदेश दिया है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी।

क्या था पूरा मामला?

अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना कुछ समय पहले घटित हुई थी जब आरोपी ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसका अपहरण कर लिया था। आरोपी पीड़िता को अज्ञात स्थान पर ले गया, जहाँ उसने उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया।

इस घिनौने कृत्य के कारण पीड़िता गर्भवती हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने दलील दी कि दोषी ने न केवल एक बच्ची का बचपन छीना, बल्कि उसे ऐसी मानसिक और शारीरिक यंत्रणा दी जिसका घाव उम्र भर बना रहेगा। साक्ष्यों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने माना कि आरोपी किसी भी प्रकार की सहानुभूति का हकदार नहीं है।

फैसले के मुख्य बिंदुः

- **सजाः** दोषी को 20 साल की सश्रम कारावास
- **जुर्मानाः** अदालत ने दोषी पर आर्थिक जुर्माना भी लगाया है, जिसे न भरने पर सजा की अवधि बढ़ाई जा सकती है।
- **मुआवजाः** सरकार को पीड़िता की सहायता और पुनर्वास के लिए उचित मुआवजा देने का भी निर्देश दिया गया है।

बहुचर्चित भूमि आत्महत्या केस में RJ कुणाल देसाई निर्दोष बरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के आनंदनगर इलाके में साल 2016 में हुई चर्चित आत्महत्या की घटना में अहमदाबाद ग्रामीण कोर्ट ने अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। सचिन टावर की 10वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने वाली भूमि देसाई के मामले में आरोपी पति और शहर के मशहूर आर.जे. कुणाल (कुणाल ईश्वरभाई देसाई) को कोर्ट ने सभी आरोपों से निर्दोष बरी कर दिया है।

क्या था पूरा मामला?

जनवरी 2016 में यह घटना उस वक्त सुर्खियों में आई थी, जब आनंदनगर स्थित सचिन टावर से भूमि देसाई ने छलांग लगा दी थी। घटना के बाद भूमि के परिजनों ने कुणाल देसाई पर मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर आरोप लगाए थे। इस मामले ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी थी क्योंकि कुणाल उस समय रेडियो जगत का एक जाना-माना चेहरा थे।

10 महीने तक रहे जेल की सलाखों के पीछे

इस केस की जांच के दौरान पुलिस ने कुणाल देसाई को गिरफ्तार किया था। कुणाल को इस मामले में लगभग 10 महीने जेल में बिताने पड़े थे। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें

जमानत मिली थी। कोर्ट में चले लंबे ट्रायल के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गई और साक्ष्यों (Evidence) का बारीकी से अध्ययन किया गया।

कोर्ट का फैसलाः 'आरोप साबित करने में अभियोजन विफल' अहमदाबाद ग्रामीण कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष (Prosecution) कुणाल के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। गवाहों के बयानों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने कुणाल देसाई को 'बेगुनाह' मानते हुए केस से बरी कर दिया।

मुख्य अंशः

- **घटनाः** जनवरी 2016, आनंदनगर (सचिन टावर)।
- **आरोपः** आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना)।
- **नतीजाः** 8 साल बाद कोर्ट ने दी क्लीन चिट।
- **वर्तमान स्थितिः** कोर्ट के इस फैसले से कुणाल देसाई और उनके परिवार ने राहत की सांस ली है।

टॉप 10 में रहा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रीवागहन का छात्र दसवीं एवं बारहवीं का रिजल्ट 100%

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं एवं 12वीं परीक्षा के नतीजे में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला रीवागहन का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा रिजल्ट देखकर सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के चेहरे खिल उठे। कक्षा बारहवीं का रिजल्ट 100 ' रहा जिसमें प्रथम स्थान पर खेमेन्द्र देवांगन 93', द्वितीय स्थान पर हेमा साहू 88.6' एवं तृतीय स्थान पर चांदनी यादव 85.4' रहा अधिकांश बच्चों ने विशेष योग्यता के साथ शानदार प्रदर्शन किया कक्षा 12वीं में कूल 42 बच्चों में 41 बच्चों ने प्रथम श्रेणी एवं 01 छात्र द्वितीय श्रेणी प्राप्त किया। कक्षा दसवीं का रिजल्ट भी 100' रहा जिसमें प्रथम स्थान पर हिना कंवर 88.33' द्वितीय स्थान पर मीनाक्षी 76.6' एवं तृतीय स्थान पर ललिता 75' रही कूल 34 बच्चों में 21 प्रथम श्रेणी में ,05 बच्चे द्वितीय श्रेणी में रहे। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्राचार्य, शिक्षक- शिक्षिका एवं शाला विकास समिति के सभी लोगों का सहयोग रहा साथ ही जिले से चल रहे ऑनलाइन कोचिंग का लाभ भी बच्चों को मिला इस शानदार प्रदर्शन के लिए सभी को बधाई।

'विकास या वसूली? अब पेशाब करने के भी देने पड़ेंगे ? 5!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के Geeta Mandir Bus Station से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने 'विकास' के दावों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। यहां अब आम आदमी को पेशाब करने के लिए भी ?5 चुकाने पड़ रहे हैं। अब तक लोग सार्वजनिक शौचालय के लिए शुल्क समझते थे,

लेकिन अब पेशाब जैसी बुनियादी जरूरत पर भी पैसे वसूलना–

क्या यही विकास है?

5 नहीं, सोच का सवाल है यह मुद्दा सिर्फ पांच रुपये का नहीं है, यह उस व्यवस्था की मानसिकता का आईना है, जहां आम जनता की बुनियादी जरूरतें भी 'राजस्व' का जरिया बनती जा रही हैं। दैनिक मजदूर, रिक्शा **चालक, यात्री—** जो पहले ही महंगाई की मार झेल रहे हैं, उनके लिए यह 'छोटा शुल्क' भी एक बड़ा बोझ बनता जा रहा है।

क्या सिस्टम हो चुका है लाचार?

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है— क्या परिवहन विभाग के पास सफाई कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पर्याप्त बजट नहीं है? या फिर यह पूरा मामला ठेकेदारी व्यवस्था और मुनाफाखोरी का नतीजा है? अगर सार्वजनिक सुविधाएं भी 'पेड सर्विस' बन जाएंगी, तो गरीब और मध्यम वर्ग कहां जाएगा? स्वच्छता अभियान या कमाई का साधन? देश में स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जब पेशाब करने जैसी बुनियादी जरूरत भी पैसे से जुड़ जाए, तो

यह सवाल उठना लाजमी है—क्या स्वच्छता अब सेवा नहीं, बल्कि व्यवसाय बन चुकी है?

जनता पूछ रही है जवाब क्या यह वसूली नियमों के तहत हो रही है? क्या इसकी कोई तय सीमा और निगरानी है?

और सबसे अहम—क्या आम आदमी की परेशानी किसी को दिख रही है?

निष्कर्ष विकास का मतलब सुविधाएं बढ़ाना होता है, न कि जरूरतों पर टैक्स लगाना। अगर आज पेशाब के ?5 हैं,

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं।

भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय होनें की संभावना-4 मई 2026 महीनों से लिखी जा रही कथा के नतीजों का राजनीतिक निष्कर्ष होगा

पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं;यह चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है.

उच्च मतदान प्रतिशत एंटी- इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है- स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा। एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दशार्ता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल

कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है।

साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता है:या तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दशार्ता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग- अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी हैअंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है।

साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह ह्रप्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशनह्व है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।

संपादकीय

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई।

एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए।

कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

धरती के स्वर्ग तक तेज भारतीय रेल की रफ्तार

विनोद कुमार सिंह

जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन का विस्तार...

विकास की रफ्तार जब आस्था, पर्यटन और आजीविका के साथ कदमताल करती है,तब वह केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि समाज के बहुआयामी परिवर्तन की जीवंत गाथा बन जाती है। जम्मू-तवी से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी ऐसे ही परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है - जहाँ पहाड़ों की निस्तब्धता, प्रकृति की विराटता और बदलती जीवनशैली एक नई कहानी रचती प्रतीत होती है।आज जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सेवा को हरी झंडी दिखाई, तो उनके संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित उद्बोधन में एक स्पष्ट संदेश था–'यह केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ विश्वास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल का लक्ष्य है कि देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक भी आधुनिक कनेक्टिविटी पहुंचे,ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।' उन्होंने यह भी कहा कि यह सेवा आने वाले समय में क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

दरअसल,यह विस्तार उस स्वप्न का परिपक्व रूप है,जिसकी शुरूआत जून 2025 में कटरा-श्रीनगर वंदे भारत सेवा से हुई थी।अब यह सेवा जम्मू-तवी तक पहुँचकर न केवल दूरी को कम कर रही है,बल्कि लोगों के मनों के बीच की दूरी को भी पाट रही है।कश्मीर की वादियों में जब यह आधुनिक ट्रेन सरपट दौड़ती है, तो उसके साथ-साथ प्रकृति का एक अद्भुत संसार भी खुलता चलता है। ऊँचे-ऊँचे देवदारों से आच्छादित पहाड़, बादलों से संवाद करती घाटियाँ,और दूर तक फैली हरियाली–यह सब मिलकर एक ऐसी अनुभूति का निर्माण करते हैं, जहाँ विकास और प्रकृति के बीच एक संतुलित संवाद दिखाई देता है। यहाँ की सुबहें जब धूप की सुनहरी चादर ओढ़ती हैं और शामें जब ठंडी हवा के साथ सुकून का एहसास कराती हैं, तब यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं,बल्कि भावनात्मक भी बन जाती है।चिनाब रेल पुल और अंजी खड़ पुल जैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार इस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता का परिचय देते हैं।इन संरचनाओं के बीच से गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस मानो यह संदेश देती है कि विकास और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इस पूरी यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में शांति और व्यवस्था का जो नया वातावरण बना है,उसी ने ऐसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संभव बनाया है।कभी जो क्षेत्र अस्थिरता और अनिश्चितताओं के कारण विकास से वंचित रह जाता था,वही आज प्रगति की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।यह परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है–बाजारों की रौनक,पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही और युवाओं के चेहरों पर उभरती नई उम्मीदों में।

आर्थिक दृष्टि से यह रेल सेवा रोजगार के नए अवसरों का एक विस्तृत क्षितिज खोल रही है। पर्यटन के विस्तार के साथ होटल, परिवहन,हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों मेंअभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है।कश्मीर के सेब, केसर और पश्मीना जैसे उत्पाद अब अधिक तेजी और सुविधा के साथ देश के विभिन्न बाजारों तक पहुँच सकेंगे,जिससे स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय में वृद्धि होगी।युवा वर्ग,जो कभी सीमित अवसरों के कारण पलायन के लिए विवश होता था,अब अपने ही क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के नए आयाम तलाश सकेगा।आस्था के स्तर पर भी यह सेवा एक नई ऊर्जा लेकर आई है।श्री माता वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सहज और सुलभ हो गई है। आस्था की इस यात्रा में अब कठिनाइयों की जगह सुविधा और संतोष ने ले ली है।इस परियोजना की आधारशिला उधमपुर-श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक है,जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।हिमालय की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैयार यह रेल मार्ग केवल पटरियों का जाल नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत की कहानी है जो हर चुनौती को अवसर में बदलना जानता है अंततः,जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस का यह विस्तार एक व्यापक परिवर्तन का संकेत है।यह केवल यात्रा को सरल बनाने का माध्यम नहीं,बल्कि एक ऐसे नए युग की शुरूआत है,जहाँ शांति, विकास और समृद्धि एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।पहाड़ों की गोद में बसे इस 'धरती के स्वर्ग' में अब न केवल प्रकृति की सुंदरता है,बल्कि आधुनिक भारत की प्रगति की चमक भी है-जहाँ हर सुबह नई संभावनाओं का संदेश देती है और हर यात्रा एक नई उम्मीद का आरंभ बनती है।

अंतरजातीय संबंधों पर सामाजिक हिंसा का संकट और बदलते समाज की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में घटी हालिया घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक जमी उन मानसिकताओं को उजागर करती है जो आज भी जाति और परंपरा के नाम पर इंसानियत को पीछे छोड़ देती हैं। एक प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई और उसके बाद गुस्से और बदले की भावना में गांव के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, पुलिस बल तैनात है, और ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर 21वीं सदी में भी समाज इस तरह की त्रासदियों से क्यों जूझ रहा है।

इस घटना की जड़ में एक अंतरजातीय प्रेम संबंध बताया जा रहा है। युवक और युवती के बीच संबंध को लेकर पहले भी विवाद हुआ था और मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती चली गई। जब परिवार और समाज प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाते, तब ऐसे रिश्ते अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। इस मामले में भी युवती के भाई ने संबंध का विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ा और अंततः यह हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई, जिसने पूरे गांव को झकझोर दिया।

हत्या के बाद जो हुआ वह और भी चिंताजनक है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया, घरों में आग लगा दी, और देखते ही देखते कई परिवार बेघर हो गए। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक घर जलकर राख हो गए। यह केवल संपत्ति का नुकसान नहीं है, बल्कि उन परिवारों की जिंदगी पर गहरा आघात है, जिन्होंने एक ही रात में अपना सब कुछ खो दिया। आगजनी के बाद भी लंबे समय तक घरों से धुआं उठता रहा, जो इस त्रासदी की भयावहता का प्रतीक है।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मिल रही धमकियों के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह घटना हुई। यही कारण है कि अब लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जब आम नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर सामाजिक अशांति को जन्म देता है।

यह घटना केवल एक गांव या एक राज्य तक सीमित नहीं है। देश के कई हिस्सों में आज भी अंतरजातीय विवाह या प्रेम संबंधों को लेकर इसी तरह की हिंसा देखने को मिलती है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी जातिगत सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार नहीं है। खासकर जब बात बेटियों की आती है, तो परिवारों में नियंत्रण और कठोरता और भी बढ़ जाती है। यह एक गहरी विडंबना है कि जहां एक ओर समाज बहुओं को किसी भी जाति से स्वीकार कर लेता है, वहीं बेटियों के लिए वही स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह दोहरा मापदंड न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक तनाव का कारण भी बनता है।

समाज में लड़कियों की कमी भी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में आज भी लिंगानुपात असंतुलित है, जिसके कारण हजारों युवक शादी से वंचित रह जाते हैं। इसके बावजूद अगर समाज अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता, तो यह समस्या और जटिल होती जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम अपनी सोच को बदलें और रिश्तों को जाति के बजाय मानवीय आधार पर स्वीकार करें।

इस तरह की घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष अब भी जारी है। एक ओर नई पीढ़ी अपने फैसले खुद लेना चाहती है, अपने जीवनसाथी का चुनाव करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी सोच अब भी इन बदलावों को स्वीकार करने में हिचक रही है। यह टकराव जब संवाद के बजाय हिंसा में बदल जाता है, तब इसके परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं।

इस समस्या का समाधान केवल कानून के जरिए संभव नहीं है। इसके लिए समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। परिवारों को यह समझना होगा कि बच्चों की खुशियां और उनका अधिकार सर्वोपरि हैं। शिक्षा का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, क्योंकि शिक्षित समाज में इस तरह की कट्टरता अपेक्षाकृत

कम देखने को मिलती है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और ऐसे मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी होगी ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभाली जा सके।

टामटिया गांव की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर हमने अब भी अपनी सोच नहीं बदली, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज बदल रहा है और इस बदलाव को रोकना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि हम इसे समझदारी से स्वीकार करें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां प्रेम, समानता और सम्मान को प्राथमिकता दी जाए, न कि जाति और रूढ़ियों को।

अंततः यह सवाल हम सभी के सामने है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं। क्या हम वही पुरानी परंपराओं में जकड़े रहेंगे जो हिंसा और विभाजन को जन्म देती हैं, या फिर हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी हो। इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम होंगी या फिर और बढ़ेंगी।

स्कूली बस की चपेट में आकर 5 साल की बच्ची की मौत, उसी बस से लौटी थी घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित दनकौर थाना क्षेत्र के रोशनपुर गांव में गुरुवार को दर्दनाक हादसे में स्कूली बस की चपेट में आकर पांच साल की बच्ची की मौत हो गई. हादसे के बाद चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया. पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है. परिजनों ने चालक की लापरवाही को हादसे की वजह बताते हुए शिकायत दी है.

मली जानकारी के अनुसार दनकौर स्थित रोशनपुर गांव निवासी अरुण शर्मा ने बताया कि उनकी पांच साल की बेटी भूमि तालड़ा गांव स्थित एक निजी स्कूल में कक्षा एक की छात्रा थी. गुरुवार दोपहर छुट्टी के बाद वह रोज की तरह स्कूल बस से घर लौटी थी. आरोप है कि घर के पास बस से उतरने के बाद भूमि जैसे ही घर की ओर बढ़ी, तभी उसी स्कूल बस ने उसे कुचल दिया. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई.

परिजन उसे तत्काल ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया.

परिजनों का आरोप है कि बस में चालक के अलावा कोई हेल्पर मौजूद नहीं था. बच्चों को सुरक्षित उतारने और सड़क पार कराने वाला कोई कर्मचारी न होने से हादसा हुआ. कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. शिकायत के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी.

हज के नाम पर जज को ठगा... ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए 24 लाख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां हज यात्रा के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर ली गई. इस मामले में खास बात यह रही कि ठगों ने माननीय विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) को ही निशाना बना डाला. शिकायत मिलते ही साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कार्रवाई शुरू की और मामले का खुलासा कर दिया. जानकारी के अनुसार, लखनऊ की अलफहाद ट्यूरिज्म कंपनी के डायरेक्टर आमिर रशीदी समेत अन्य आरोपियों ने हज यात्रा कराने के नाम पर करीब 23 लाख 99 हजार रुपये ऑनलाइन प्राप्त कर लिए. रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने यात्रा की कोई व्यवस्था नहीं की और कॉन्टैक्ट करने पर लगातार टालमटोल करते रहे. जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित कंपनी के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं था. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देश पर साइबर क्राइम टीम ने जांच तेज की. प्रभारी निरीक्षक इंद्रेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए लखनऊ निवासी दो अभियुक्त ओसामा रशीदी और एजाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया. अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और ठगी गई रकम की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया. वहीं आम लोगों से अपील की गई है कि किसी भी अनजान व्यक्ति से सावधान रहें, ओटीपी या बैंकिंग जानकारी साझा न करें और किसी भी साइबर फ्रॉड की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं.

खतरनाक कुत्तों के बीच छिपी 'वॉन्टेड' महिला गिरफ्तार, हाई-वोल्टेज ड्रामा के बाद पुलिस ने दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

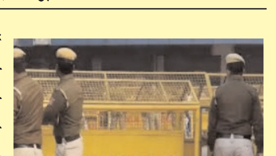

नई दिल्ली. शालीमार बाग इलाके में पुलिस ने एक हाई वोल्टेज ड्रामा रेड के दौरान चोरी के मामले में वॉन्टेड महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने अपने घर को खतरनाक कुत्तों के जरिए 'किले' में बदल रखा था। पुलिस का कहना है कि जब आरोपी के घर पहुंची तो उसने अपने बचाव के लिए पिटबुल, अमेरिकन बुली और अन्य खतरनाक कुत्तों को आगे कर रखा था, ताकि पुलिस अंदर न आ सके। मामले में क्या है पुलिस का दावा पुलिस का दावा है कि बावजूद टीम ने जोखिम उठाते हुए घर में प्रवेश किया। आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अफसर के मुताबिक, 19 अप्रैल को शालीमार बाग थाने में विजय पाल गुप्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मेड ने घर से सोने की जूलरी और कैश चोरी कर लिया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी तक पहुंच बनाई। पूछताछ में आया सामने पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की जूलरी को अलग-अलग गोल्ड लोन में गिरवी रखकर लोन लेती थी। अब तक 15 गोल्ड लोन अकाउंट का पता चला है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी का बैंक खाता फ्रीज कर दिया है और बाकी जूलरी की बरामदगी के लिए अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर कार्रवाई जारी है। जांच में करीब 2 किलो गोल्ड की जूलरी अलग-अलग फाइनेंस कंपनी में होने का पता चला है। आरोपी महिला के खिलाफ दर्ज है पहले से केस छापेमारी के दौरान आरोपी रजाई के नीचे छिपी मिली, जिसे पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के बताने पर एक लाख कैश बरामद किया, अलग-अलग बैंकों में करीब 2 किलो सोने की जूलरी की पहचान का पता चला है।

डाबरी फ्लाईओवर से गिरकर जोमैटो डिलीवरी बॉय की मौत, टक्कर मारकर फरार हुआ कार चालक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली. के डाबरी फ्लाईओवर पर गुरुवार एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ. जहां एक 25 साल के डिलीवरी बॉय की मौत हो गई. मृतक की पहचान राजकुमार के रूप में हुई है, जो जोमैटो में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता था. यह हादसा 30 अप्रैल 2026 को सुबह करीब साढ़े 6 बजे पंखा रोड स्थित डाबरी फ्लाईओवर पर हुआ. घटना की जानकारी पुलिस को एक पीसीआर कॉल के जरिए मिली. कॉलर ने बताया कि एक युवक डाबरी फ्लाईओवर से गिर गया है और उसे तुरंत एंबुलेंस की जरूरत है. यह कॉल सुबह 7 बजकर 35 मिनट दर्ज की गई. सूचना मिलते ही जनकपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मौके पर पहुंचने पर जांच अधिकारी ने पाया कि एक स्कूटी और एक मारुति स्विफ्ट कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में खड़ी थीं. स्कूटी का नंबर DLx***5576 था, जिसे मृतक राजकुमार चला रहा था. बताया गया कि दुर्घटना के दौरान वह फ्लाईओवर से गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं. राजकुमार को तुरंत एंबुलेंस के जरिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है. पुलिस के अनुसार, जिस कार से टक्कर हुई उसका नंबर ***5711 है, जो शंकर नाम के युवक के नाम पर रजिस्टर्ड बताई जा रही है. शंकर दिल्ली के डाबरी पार्ट 2 का निवासी है. हालांकि, हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है और उसे पकड़ने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं. इस मामले में जनकपुरी थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 और 106 के तहत केस दर्ज किया है. हादसे की वजह और पूरी घटनाक्रम को समझने के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है.

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज, केस दर्ज

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि स्कूटी और कार के बीच टक्कर हुई थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ. हालांकि, पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है और जल्द ही पूरी सच्चाई सामने आने की उम्मीद है. यह हादसा एक बार फिर दिल्ली में सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करता है. सुबह के समय हुए इस हादसे ने एक परिवार से उनका कमाने वाला सदस्य छीन लिया. फिलहाल पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है और उसे जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है.

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर सख्ती, किताबें-ड्रेस कहीं से भी खरीद सकेंगे पैरेंट्स, एक्शन मोड में सीएम रेखा गुप्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। के प्राइवेट स्कूलों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सख्त रुख अपनाया है. उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी भी समय दिल्ली के किसी भी प्राइवेट स्कूल में निरीक्षण के लिए जा सकती हैं. उनका यह संदेश स्कूलों में पारदर्शिता और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिया गया है.

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि सभी प्राइवेट स्कूल अपने नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और अपने द्वारा संचालित किसी भी स्टोर पर स्पष्ट रूप से यह जानकारी प्रदर्शित करें कि अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी खरीद सकते हैं. उन्होंने कहा कि किसी एक ही विक्रेता से सामान खरीदने के लिए अभिभावकों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए.

रेखा गुप्ता ने अपने संदेश में यह भी स्पष्ट किया कि जबरन खरीदारी या किसी विशेष दुकान से सामान लेने का फरमान बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने स्कूल प्रबंधन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस नियम का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी स्कूल में नियमों का उल्लंघन या हेरफेर पाया गया, तो संबंधित स्कूल और उसके संचालकों के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी.

इतना ही नहीं, जरूरत पड़ने पर स्कूल का अधिग्रहण करने पर भी विचार किया जा सकता है. मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनका निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर नियमों को लागू करने का एक प्रयास है. उन्होंने बताया कि उन्हें अभिभावकों से लगातार पत्र मिल रहे हैं, जिनमें स्कूलों में हो रही समस्याओं और दबाव की शिकायतें की गई हैं.

अभिभावकों की शिकायतों के आधार पर लिया गया फैसला

इन्हीं शिकायतों के आधार पर वह निरीक्षण के लिए विभिन्न स्कूलों में जाने की योजना बना रही हैं. रेखा गुप्ता ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वो अपने सुझाव और शिकायतें लगातार भेजते रहें. उनका कहना है कि दिल्ली को बेहतर बनाना सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन और नागरिकों के बीच सहयोग जरूरी है. इस कदम को अभिभावकों के हित में एक बड़ा निर्णय माना जा रहा है. इससे स्कूलों में पारदर्शिता बढ़ने और अभिभावकों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की उम्मीद जताई जा रही है.

गाजियाबाद श्रमिक दिवस पर बड़ा तोहफा: 15 लाख कामगारों को मिलेगा बढ़ा वेतन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

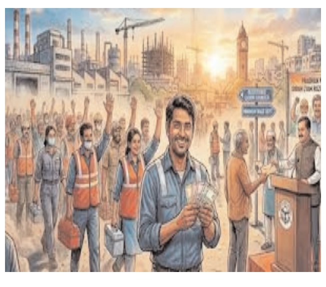

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर गाजियाबाद के लाखों कामगारों के लिए राहत और उम्मीद दोनों लेकर आई है। बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की चुनौतियों के बीच अब श्रमिकों को बढ़ा हुआ न्यूनतम वेतन मिलने जा रहा है, साथ ही समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। शासन के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन और श्रम विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं, ताकि न सिर्फ वेतन वृद्धि का लाभ श्रमिकों तक पहुंचे बल्कि उन्हें सरकारी योजनाओं का भी पूरा फायदा मिल सके। इस फैसले से जिले के करीब 15 लाख श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

बढ़ा न्यूनतम वेतन, श्रमिकों को सीधा लाभ

सरकार द्वारा संशोधित न्यूनतम वेतन लागू किए जाने के बाद अब अकुशल, अर्द्धकुशल और कुशल श्रमिकों की सैलरी में बढ़ोतरी की गई है। अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,690 रुपये, अर्द्धकुशल का 15,059 रुपये और कुशल श्रमिकों का वेतन 16,868 रुपये कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी से औद्योगिक इकाइयों में काम कर रहे लाखों श्रमिकों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

7 तारीख तक वेतन भुगतान अनिवार्य

प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हर हाल में श्रमिकों को महीने की 7 तारीख तक वेतन दिया जाना चाहिए। इस नियम का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। डीएम के निर्देश पर श्रम विभाग और उद्योग विभाग संयुक्त रूप से निगरानी कर रहे हैं और भौतिक सत्यापन के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रमिकों को तय वेतन और सुविधाएं वास्तव में मिल रही हैं। गाजियाबाद में करीब 2,280 उद्योगों में लगभग 15 लाख श्रमिक कार्यरत हैं, लेकिन इनमें से केवल तीन लाख ही पंजीकृत हैं। ऐसे में प्रशासन का फोकस अब अधिक से अधिक श्रमिकों को पंजीकृत कर उन्हें सरकारी योजनाओं के दायरे में लाने पर भी है। श्रमिक संगठनों ने वेतन वृद्धि का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी है। सीटू के जिला सचिव बृजेश चौहान का कहना है कि महंगाई के अनुपात में वेतन बढ़ना जरूरी है और यदि श्रमिकों को समय पर वेतन व सुविधाएं नहीं मिलती हैं तो संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा।

उद्योग जगत ने जताई सहमति

गाजियाबाद इंडस्ट्रीज फेडरेशन ने भी सरकार के निर्देशों का पालन करने का भरोसा दिया है। फेडरेशन के अनुसार उद्यमी न्यूनतम वेतन लागू करेंगे और श्रमिकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। साथ ही उद्यमियों और श्रमिकों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की कोशिश भी जारी रहेगी। श्रमिकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू हैं। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पेंशन, शिशु एवं मातृत्व सहायता योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना और अटल आवासीय विद्यालय योजना के जरिए श्रमिकों और उनके परिवारों को आर्थिक व सामाजिक मदद दी जा रही है। अन्य राज्यों से तुलना, बढ़ रही प्रतिस्पर्धा हरियाणा जैसे राज्यों में भी श्रमिकों के लिए शिक्षा, टूलकिट और साइकिल जैसी योजनाएं लागू हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और इससे श्रमिकों को बेहतर सुविधाएं मिलने की संभावना बढ़ी है।

2 दिन में 24 लोगों की मौत... CM योगी ने दिए मुआवजे के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तरप्रदेश. में पिछले दो दिन में बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने की प्राकृतिक आपदा में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं. वहीं, 16 पशुओं की भी जान चली गई है. कई जिलों में तेज हवाओं और बिजली ने लोगों के घरों और खेतों को भी नुकसान पहुंचाया है. मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई हिस्सों में अचानक तेज हवाएं चलने के साथ मौसम बदला और बिजली चमकने के साथ जोरदार बारिश हुई. इस दौरान कुछ जगहों पर पेड़ उखड़ गए और दीवारें गिर गईं, जिससे भी हादसे हुए हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश और बिजली गिरने से हुई घटनाओं पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की. सीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि घायलों को तुरंत अच्छा इलाज मुहैया कराया जाए. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मरने वालों के परिजनों, घायलों और पशुओं की मौत पर होने वाले नुकसान का मुआवजा 24 घंटे के अंदर दे दिया जाए. उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों का दौरा करने, नुकसान का जायजा लेने और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए हैं. मौसम की मार से किसानों को भारी नुकसान राज्य सरकार ने हाल ही में ओलावृष्टि, आंधी, आग और अत्यधिक बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया भी तेज कर दी है. प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारी मैदान में उतरकर फसल क्षति का तुरंत आकलन करें और प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत राशि पहुंचाएं. अब तक कितना मुआवजा दिया गया? आग से नुकसानः 8 जिलों (बराबंकी, बलिया, बांदा, महाराजगंज, मथुरा, पीलीभीत, रामपुर और सोनभद्र) में 111.134 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई. जिनमें 668 किसान प्रभावित हुए. जिसमें से 51 किसानों को 1,81,963 रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है. ओलावृष्टि से नुकसानः 13 जिलों (मथुरा, जालौन, हरदोई, बुलंदशहर, औरैया, संभल, शाहजहांपुर, आगरा, अलीगढ़, कन्नौज, ललितपुर, सहारनपुर और उन्नाव) में 38,369.72 हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई. जिसमें 1,07,104 किसान प्रभावित हुए. जिनमें से 23,983 किसानों को 14 करोड़ 92 लाख 60 हजार 448 रुपये का मुआवजा वितरित किया गया है. अत्यधिक बारिश से नुकसानः 9 जिलों (कानपुर देहात, शाहजहांपुर, रामपुर, जालौन, बुलंदशहर, गोंडा, मथुरा, पीलीभीत और सहारनपुर) में 1,358.678 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई. जिसमें 3,920 किसान प्रभावित हुए. जिनमें से 1,849 किसानों को 1 करोड़ 9 लाख 87 हजार 132 रुपये दिए जा चुके हैं. सरकार ने कहा है कि फसल क्षति का आकलन करने की प्रक्रिया को और तेज किया जा रहा है. बाकी प्रभावित किसानों को भी जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि राहत कार्य में कोई लापरवाही न बरती जाए. उन्होंने कहा कि हर प्रभावित परिवार और किसान को समय पर मदद मिलनी चाहिए.

सीधे 1000 बढ़ाते, ये 7 रुपये का एहसान क्यों', गैस सिलेंडर की कीमतों पर भड़के अखिलेश यादव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में शुक्रवार को हुई भारी बढ़ोतरी को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा कि दाम बढ़ाने से केवल सिलेंडर महंगा नहीं होता, बल्कि खाने की थाली महंगी होती है। उन्होंने सवाल उठाया कि बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी और मंदी की समस्या पर बीजेपी निंदा प्रस्ताव कब लाएगी। आपको बता दें कि शुक्रवार को तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी की है। अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी-थाली महंगी होती है। ये बात वही जानता है, जो खुद खरीदकर खाता है। वो नहीं, जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। सिलेंडर महंगा करना था, तो सीधे 1000 रुपये महंगा कर देते। 1000 में 7 रुपये कम करके ये भाजपा वाले किस पर एहसान कर रहे हैं? भाजपा 'महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी व मंदी' पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी?'

दिल्ली में अब 3071 रुपए का मिलेगा सिलेंडर

शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी के दाम में 993 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई, जो अब तक की सबसे बड़ी बढोतरी मानी जा रही है। यह लगातार तीसरा महीना है, जब एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है। यह बढ़ोतरी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेजी से जुड़ी है। नई दरों के बाद, दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर अब 3071.5 रुपये में मिल रहा है, जबकि पहले इसकी कीमत 2078.50 रुपये थी।

पवन खेड़ा को स्प्ट से मिली अग्रिम जमानत, लेकिन पुलिस के बुलाने पर थाने में होना होगा पेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी है. 30 अप्रैल 2026 को हुई सुनवाई के बाद जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सशर्त अग्रिम जमानत दे दी है. 30 अप्रैल 2026 को हुई सुनवाई के बाद जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है, उसे आसानी से खतरे में नहीं डाला जा सकता. अदालत ने निर्देश दिया है कि क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन केस नंबर 04/2026 में गिरफ्तारी की स्थिति में पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए. कोर्ट ने कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि दोनों पक्षों (खेड़ा और हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी) की ओर से आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए हैं, लेकिन किसी की आजादी से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता. दरअसल, खेड़ा के खिलाफ यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइंया से जुड़े बयान को लेकर दर्ज किया गया था. खेड़ा ने रिंकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाए थे कि उनके पास एक से अधिक पासपोर्ट हैं और विदेशों में संपत्तियां हैं. जमानत की शर्तें खेड़ा को जांच में पूरा सहयोग करना होगा. जब भी पुलिस स्टेशन में बुलाया जाए, उपस्थित होना पड़ेगा. वह किसी भी तरह से सबूतों को प्रभावित या छेड़छाड़ नहीं कर सकेंगे. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अपीलकर्ता बिना सक्षम न्यायालय की अनुमति के देश से बाहर नहीं जा सकेंगे. साथ ही, ट्रायल कोर्ट को यह अधिकार दिया गया है कि वह जरूरत के अनुसार अतिरिक्त शर्तें भी लागू कर सकता है.अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जमानत पर विचार करते समय जिन दस्तावेजों और तथ्यों का उल्लेख किया गया है, उनका केस के अंतिम निर्णय से कोई संबंध नहीं है. ट्रायल कोर्ट इन टिप्पणियों से प्रभावित हुए बिना कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करेगा. अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जमानत पर विचार करते समय जिन दस्तावेजों और तथ्यों का उल्लेख किया गया है, उनका केस के अंतिम निर्णय से कोई संबंध नहीं है. निचली अदालत ने नहीं मिली थी राहत आपको बता दें कि पवन खेड़ा ने इससे पहले असम की निचली अदालत और गुवाहाटी हाईकोर्ट में भी अग्रिम जमानत को लेकर याचिका दायर की थी. दोनों अदालतों से राहत ना मिलने की वजह से वो सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे.

दिल्ली में अब ई-रिक्शा का न्यूनतम किराया होगा 20 रुपये, इलेक्ट्रिक वाहन फेडरेशन का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार से ई-रिक्शा का न्यूनतम किराया 20 रुपये होगा। इलेक्ट्रिक वाहन फेडरेशन ने यह निर्णय लिया है, हालांकि दिल्ली सरकार ने इस संबंध में फिलहाल कोई फैसला नहीं किया है। फेडरेशन के अध्यक्ष अनुज शर्मा ने बताया कि सवारी का न्यूनतम किराया संशोधित कर 20 रुपये कर दिया गया है, जो एक मई से लागू होगा। शर्मा ने कहा, 'न्यूनतम किराया बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया गया है। हमने ई-रिक्शा चालकों से तय पोशाक पहनने और वाहनों के लिए उचित फिटनेस प्रमाण पत्र रखने को भी कहा है।' क्यों बढ़ाया गया किराया? उन्होंने कहा कि 2014 में इन वाहनों की शुरुआत के बाद यह पहली बार है जब किराये में संशोधन किया गया है। शर्मा ने कहा कि ई-रिक्शा खरीदने और चार्जिंग की लागत में हुई वृद्धि को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। दिल्ली सरकार ने ई-रिक्शा के लिए किसी भी न्यूनतम किराये को मंजूरी देने से इनकार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'न्यूनतम किराये पर प्रशासन द्वारा अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।' पोशाक में नजर आएंगे ई-रिक्शा चालक इलेक्ट्रिक वाहन फेडरेशन ने गुरुवार को कहा कि जल्द ही सड़कों पर ई-रिक्शा चालक तय पोशाक में नजर आएंगे। फेडरेशन के अनुसार, आसमानी नीला या पीले रंग की पोशाक तय की जाएगी। वहीं दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बुधवार को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में में कहा, ई-रिक्शा न केवल चालकों के रोजगार का मजबूत आधार हैं, बल्कि शहर के अंतिम छोर तक सस्ती और सुलभ परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली में ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू किया जाएगा। साथ ही, राजधानी के लिए एक समग्र ई-रिक्शा नीति या अलग से विशेष नीति लाने पर भी सरकार गंभीरता से काम कर रही है। साथ ही उन्होंने राजीव तुली को यह सारा विषय उनके संज्ञान में लाने के लिए धन्यवाद भी किया।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार)
2 मई 2026

माँ की ममता: मौत की आगोश में भी नहीं छूटा आँचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर (बरगी)। अक्सर कहा जाता है कि भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने 'माँ' बनाई। लेकिन जबलपुर के बरगी जलाशय में हुई हृदयविदारक घटना ने इस कहावत को एक ऐसी हकीकत में बदल दिया, जिसे देखकर पत्थर दिल भी मोम हो जाए। उफनती लहरों और मौत के साये के बीच एक माँ ने ममता की जो इबारत लिखी है, वह युगों-युगों तक मिसाल बनी रहेगी।

मौत हार गई, ममता जीत गई

बरगी के गहरे पानी में जहाँ जिंदगी की उम्मीदें दम तोड़ रही थीं, वहाँ रेस्क्यू टीम के सामने एक ऐसा दृश्य आया जिसने हर किसी की आँखों को नम कर दिया। पानी की गहराइयों से जब एक माँ का शव निकाला गया, तो उसकी गोद सूनी नहीं थी। मरते दम तक, आखिरी सांस तक, उस माँ ने अपने कलेजे के टुकड़े को खुद से अलग नहीं होने दिया था। 'लहरों का शोर शायद माँ की ममता से छोटा पड़ गया था। मौत ने शरीर को तो बेजान कर दिया, लेकिन उन हाथों की पकड़ को नहीं ढीली कर सकी, जो अपने बच्चे को बचाने की आखिरी कोशिश में लगे थे। '

दिल चीर देने वाली वह आखिरी तस्वीर

महानगर मेट्रो के पास मौजूद वह तस्वीर महज एक दृश्य नहीं है; वह एक चीख है–एक ऐसी खामोश चीख जो व्यवस्था, प्रकृति और नियति से सवाल करती है।

• **अटूट बंधन:** माँ की बाहें बच्चे के चारों ओर किसी सुरक्षा कवच की तरह लिपटी हुई थीं।

• **अंतिम संघर्ष–** प्रत्यक्षदर्शियों और रेस्क्यू टीम के अनुसार, यह स्पष्ट था कि डूबते वक्त माँ का पूरा संघर्ष खुद को बचाने के लिए नहीं, बल्कि अपने बच्चे को पानी की सतह से ऊपर रखने के लिए था।

• **ममता की पराकाष्ठा:** पानी के दबाव और मौत के खौफ पर माँ का प्यार भारी पड़ा।

व्यवस्था पर सवाल या नियति का क्रूर खेल?

जबलपुर का यह हादसा हमें झकझोर कर रख देता है। जहाँ एक ओर हम इस माँ के बलिदान को नमन कर रहे हैं, वहीं यह हादसा सुरक्षा के प्रति हमारी लापरवाही पर भी तमाचा है। बरगी की लहरों में समाई उन जिंदगियों का हिसाब शायद कभी न मिले, लेकिन इस माँ की 'अंतिम आलिंगन' की तस्वीर समाज के जेहन में हमेशा जिंदा रहेगी। महानगर मेट्रो इस बहादुर माँ को सलाम करता है। यह घटना साबित करती है कि संसार में सब कुछ मिट सकता है, सब कुछ बिखर सकता है, लेकिन एक माँ की ममता मौत के बाद भी अमर रहती है।

–पवन माकन (ग्रुप एडिटर)

नागपुर: बेटी की शादी से 10 दिन पहले उजड़ गया घर, तेज रफ्तार टेंपो ने मां को कुचला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी वाले घर की खुशियां छीन लीं. बेटी की शादी में महज 10 दिन बाकी थे, लेकिन उससे पहले ही तेज रफ्तार टेंपो ने 43 वर्षीय महिला को कुचल दिया. हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई. पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सामने आया है. महाराष्ट्र के नागपुर से दर्दनाक घटना सामने आई है. जिस घर में कुछ दिनों बाद शादी की शहनाइयां गूंजने वाली थीं, वहां अब मातम पसरा है. बेटी की शादी की तैयारियों में जुटी एक मां सड़क हादसे का शिकार हो गई. हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई. इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया. यह हादसा नागपुर के पांचपावली थाना क्षेत्र के वैशाली नगर इलाके में हुआ. मृतका की पहचान 43 वर्षीय केसर शरणागत के रूप में हुई है. केसर अपने पति के साथ एटीएम से पैसे निकालने गई थीं. बेटी की शादी महज दस दिन बाद होने वाली थी, इसलिए घर में तैयारियां जोरों पर थीं. एटीएम से लौटते समय अचानक एक तेज रफ्तार टेंपो गलत दिशा से आया. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि टेंपो ने पहले एक अन्य वाहन को टक्कर मारी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि पास से गुजर रही केसर उसकी चपेट में आ गईं. वह सड़क पर गिर पड़ीं और टेंपो ने उन्हें कुचल दिया. उनकी मौके पर ही मौत हो गई. जिस महिला के हाथों में बेटी की शादी की तैयारियों की सूची थी, वह कुछ ही सेकंड में दुनिया छोड़ गई. परिवार को इस हादसे ने पूरी तरह तोड़ दिया है. जिस घर में मेहमानों के स्वागत की तैयारी हो रही थी, वहां अब रोने-बिलखने की आवाजें गूंज रही हैं. कुछ सेकंड की गलती ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी टेंपो चालक भास्कर राऊत को गिरफ्तार कर लिया है. पांचपावली पुलिस थाने के अधिकारियों के मुताबिक, चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है

एकतरफा प्यार में 22 साल की युवती से खूनी खेल, घर में घुसकर चाकू से गोदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र राज्य के पुणे के चंदन नगर में एकतरफा प्यार का खौफनाक अंजाम देखने को मिला, जहां एक युवक ने युवती के घर में घुसकर उस पर चाकू से हमला कर दिया. गंभीर हालत में युवती अस्पताल में भर्ती है, जबकि आरोपी फरार है. पुलिस लगातार तलाश में जुटी है और मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है. महाराष्ट्र में पुणे के चंदन नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एकतरफा प्यार में पागल युवक ने 22 साल की युवती पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया. गंभीर रूप से घायल युवती अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है, जबकि आरोपी वारदात के बाद से फरार है. इस घटना ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है.

घर में घुसकर चाकू से हमला

पुलिस के मुताबिक, यह वारदात 29 अप्रैल को उस समय हुई जब आरोपी दिलीप राठौड़ कथित तौर पर युवती के घर में घुस आया और उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया. हमले में युवती को कई गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है. फिलहाल उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है. मामले में युवती की बहन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी और पीड़िता एक-दूसरे को पहले से जानते थे और दोनों पुणे के एक नामी मॉल में साथ काम करते थे. इसी दौरान उनकी जान-पहचान बढ़ी, जो बाद में रिश्ते में बदल गई थी.

परिवार ने कहीं और तय की थी युवती की शादी

हालांकि, कुछ समय बाद युवती के परिवार ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी. जब युवती ने इस बारे में आरोपी को बताया, तो वह कथित तौर पर गुस्से में आ गया. पुलिस के अनुसार, इसी नाराजगी में उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया. बताया जा रहा है कि आरोपी ने युवती पर कई बार चाकू से हमला किया और फिर मौके से फरार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवती को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया. इसके बाद पुलिस ने इलाके में आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. साथ ही मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ सके. इस घटना ने एक बार फिर एकतरफा प्यार के खतरनाक रूप को उजागर कर दिया है, जो अक्सर गंभीर अपराधों में बदल जाता है.

22 साल की उम्र में कमाल: बिना कोचिंग पहले ही प्रयास में PSC पास! सेल्फ स्टडी और स्मार्ट रणनीति के दम पर हासिल की 51वीं रैंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जहां एक ओर PSC सिविल सर्विस परीक्षा को देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिना जाता है, वहीं दूसरी ओर कुछ युवा अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से इस धारणा को चुनौती देते नजर आते हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है Ananya Singh की, जिन्होंने मात्र 22 वर्ष की उम्र में, बिना किसी कोचिंग के, अपने पहले ही प्रयास में PSC सिविल सर्विस परीक्षा पास कर ली। Ananya Singh बचपन से ही सिविल सेवा में जाने का सपना देखती थीं। अपने इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लगातार मेहनत और अनुशासन के साथ तैयारी की। दिल्ली के प्रतिष्ठित Shri Ram College of Commerce की छात्रा रहीं अनन्या ने वर्ष 2019 में ऑल इंडिया 51वीं रैंक हासिल कर अपने सपने को साकार किया।

बिना कोचिंग, सिर्फ आत्मविश्वास और रणनीति

आज के दौर में जहां कोचिंग को सफलता की कुंजी माना जाता है, वहीं अनन्या ने यह साबित किया कि सही रणनीति और आत्म-अनुशासन के दम पर बिना कोचिंग भी सफलता पाई जा सकती है।

उनकी तैयारी के मुख्य स्तंभ रहे–

* रोजाना 7-8 घंटे का नियमित अध्ययन

* स्वयं के नोट्स बनाना

* पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का गहन अभ्यास

* लेखन कौशल पर विशेष ध्यान

सफलता का मंत्र: निरंतरता और स्मार्ट स्टडी

अनन्या की सफलता यह दर्शाती है कि केवल लंबे समय तक पढ़ाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही दिशा में, स्मार्ट तरीके से और निरंतर मेहनत करना अधिक जरूरी है।

फ्रेम में आ रही महिला को फोटोग्राफर ने टोका तो युद्ध का मैदान बन गया शादी समारोह, एक-दूसरे को कुर्सी और बर्तन से मारे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन: मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक शादी समारोह के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। मारपीट के दौरान कई लोगों को चोटें आई हैं। लेकिन किसी ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उज्जैन में शादी समारोह के दौरान मारपीट

मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक शादी समारोह के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई है। मारपीट के दौरान कई लोगों को चोटें आई हैं। लेकिन किसी ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक शादी समारोह में जमकर कुर्सियां चली हैं। विवाद की शुरुआत इस बात को लेकर हुई कि शादी समारोह में आए एक फोटोग्राफर ने महिला को कह दिया कि मैडम थोड़ा साइड हो जाइए। इसके बाद बाराती और घराती भिड़ गए। दोनों तरफ से कुर्सियां चलने लगीं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आधी रात को हुआ था विवाद

दरअसल, यह विवाद की शुरुआत आधी रात को हुई थी। 27 अप्रैल को चिमनगंज थाना क्षेत्र के राजीव नगर में एक बारात आई थी। विवाद समारोह में फोटोग्राफी हो रही थी। इस दौरान फोटोग्राफर ने एक महिला को फ्रेम से अलग हटकर खड़ा होने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों पक्ष के लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े।

बर्तन और कुर्सियां फेंककर मारे एक-दूसरे को

विवाद की शुरुआत सामान्य कहासुनी से हुई थी। देखते ही देखते दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर कुर्सियां और बर्तन चलने लगे। शादी समारोह का पूरा माहौला हिंसक हो गया। इसके बाद सभी लोग एक-दूसरे को सिर्फ मारे जा रहे थे। इसके बाद पूरा माहौल बिगड़ गया।

क्यों हुआ था विवाद

शादी समारोह में फोटोग्राफर ने महिला को टोका तो बढ़ा विवाद
दूल्हा और दुल्हन पक्ष के लोगों ने एक-दूसरे को मारा
पुलिस ने कहा कि किसी ने शिकायत दर्ज नहीं करवाई है
मिली जानकारी के अनुसार यह शादी अहिरवार समाज के एक परिवार में थी। महिला को साइड होने के लिए कहने पर ही विवाद पूरा बढ़ा था। बाद समाजजनों ने हस्तक्षेप किया है। इसके बाद शादी संपन्न हुई है।

किसी ने पुलिस में नहीं कराई है शिकायत

दरअसल, यह विवाद की शुरुआत आधी रात को हुई थी। 27 अप्रैल को चिमनगंज थाना क्षेत्र के राजीव नगर में एक बारात आई थी। विवाद समारोह में फोटोग्राफी हो रही थी। इस दौरान फोटोग्राफर ने एक महिला को फ्रेम से अलग हटकर खड़ा होने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों पक्ष के लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। वहीं, इस मामले में किसी ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करवाई है। वायरल वीडियो सोशल मीडिया के जरिए ही पुलिस की संज्ञान में आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही आरोपियों की पहचान कर रही है। पहचान होने और शिकायत आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो सोशल मीडिया के जरिए ही पुलिस की संज्ञान में आया है। पुलिस ने कहा कि किसी ने शिकायत दर्ज नहीं करवाई है, यह शादी अहिरवार समाज के एक परिवार में थी।

ठाणे में दौड़ी पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस, एकनाथ शिंदे ने काटा फीता, जानें क्षमता ?

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर ठाणे को पहली इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस की सौगात दी। डिप्टी सीएम शिंदे ने ठाणे की पहली इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि डबल-डेकर बस से ठाणे के निवासियों का सफर और भी सुखद होगा। शिंदे ने बस का शुभारंभ करने के बाद उसमें यात्रा भी की। वह नगर निगम भवन से लुइसवाड़ी तक और फिर वापस नगर निगम भवन तक यात्रा की। उनके साथ महापौर शर्मिला पिंपलोलकर मौजूद रहीं। इन बसों को तष्ष्ट (सकल लागत अनुबंध) के आधार पर ठाणे परिवहन बेड़े में शामिल किया जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि परिवहन सेवा पर कोई वित्तीय बोझ न पड़े।

इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस की कितनी क्षमता?

इस डबल-डेकर बस में 65 यात्रियों के बैठने की क्षमता है, जबकि 33 अतिरिक्त यात्री खड़े होकर यात्रा कर सकते हैं। फ़िलहाल, यह बस तीन हाथ नाका से गायमुख को जोड़ने वाले मार्ग पर चलेगी। चूंकि यह एक इलेक्ट्रिक बस है, इसलिए ठाणे के निवासियों के लिए सफ़र पर्यावरण के अनुकूल होगा; इसके अलावा, जल्द ही ऐसी 9 और बसें परिवहन बेड़े में शामिल होने वाली हैं। गौरतलब हो कि ठाणे महानगरपालिका का बजट पेश करते हुए कमिश्नर सौरव राव ने ठाणे महानगरपालिका परिवहन सेवा के तहत 10 डबल डेकर बसों को शामिल करने का ऐलान किया था। ठाणे मनपा परिवहन सेवा को पीएम ई- बस योजना के तहत 100 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों के लिए मंजूरी मिल गई है।

शिंदे ने स्व-गणना का किया शुभारंभ

इस कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'स्व-गणना' के माध्यम से ठाणे जिला जनगणना का शुभारंभ किया। 1 मई से 15 मई तक की अवधि स्व-गणना के लिए निर्धारित की गई है, जिसके बाद 16 मई से 14 जून तक घर-घर जाकर जनगणना की जाएगी। एकनाथ शिंदे की ठाणे के संरक्षक मंत्री हैं। यह उनका गृह जनपद है। वह ठाणे जिले से ही विधायक हैं। ठाणे शहर की आबादी 27 लाख से ज्यादा हो गई है।

बीजेपी सांसद हेमंत सावरा की कार को डंपर ने मारी टक्कर, एयर बैग खुलने से बची जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे: बीजेपी सांसद हेमंत सावरा को ले जा रही एक कार शुक्रवार तड़के महाराष्ट्र के ठाणे शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस ने इस हादसे की जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पालघर से सांसद हेमंत सावरा इस हादसे में बाल-बाल बच गए और कार चालक मामूली रूप से घायल हुआ है। यह दुर्घटना घोडबंदर रोड पर हुई। उन्होंने बताया कि कार गुजरात की ओर जा रही थी तभी विपरीत दिशा से आ रहे डंपर से उसकी टक्कर हो गई।

एयरबैग खुलने से बची कार सवार लोगों की जान

अधिकारी ने बताया कि कार के एयरबैग तुरंत खुल गए जिससे उसमें सवार लोग बच गए। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस थाने के कर्मी मौके पर पहुंचे और मदद उपलब्ध कराई। स्थानीय पुलिस घटना की जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें सांसद सवरा और क्षतिग्रस्त कार नजर आ रही है।

हादसे के बाद सावरा ने क्या बताया

सावरा के अनुसार, वह महाराष्ट्र दिवस से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ठाणे से पालघर जा रहे थे। तभी एक डंपर ने वर्सोवा क्रीक ब्रिज (भायंदर क्रीक ब्रिज) पार करने के ठीक बाद उनके वाहन में टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि डंपर चालक हमारी कार को देख नहीं पाया और उसने हमें टक्कर मार दी। सावरा ने आगे बताया कि गुजरात की ओर जाने वाले रास्ते पर भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण उनका वाहन मुंबई की ओर जाने वाली लेन पर गलत दिशा में चल रहा था।

पुलिस में 6800 आरक्षकों को मिले जिले, इनमें 2070 महिलाएं, एक महीने के भीतर मिलेगी जॉइनिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्यप्रदेश पुलिस में 6800 आरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी! 2070 महिलाओं का हुआ चयन, 30 अप्रैल को जारी हुई जिला आवंटन सूची. जानें कब मिलेंगे नियुक्ति पत्र और क्या है जॉइनिंग की डेडलाइन...
मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में कांस्टेबल के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है. महिलाओं को सशक्त बनाने और पुलिस बल में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए 2 हजार 70 महिला कांस्टेबलों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है. मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से साल 2025 में आयोजित की गई आरक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम पहले ही घोषित किया जा चुका था. अब पुलिस मुख्यालय ने चयनित उम्मीदवारों को जिले आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली है. जिला बल में कुल 6800 पुलिस आरक्षकों का चयन हुआ है. कुल पदों में से 2070 पदों पर महिलाओं का चयन किया गया है. भर्ती में महिलाओं के लिए 33' आरक्षण का प्रावधान था, लेकिन 13' पदों को न्यायालय के आदेशानुसार होल्ड पर रखते हुए 87'

पदों के आधार पर रिजल्ट जारी किया गया है. पुलिस मुख्यालय की चयन भर्ती शाखा के अनुसार, उम्मीदवारों को उनकी आवंटित इकाई (जिला) की जानकारी आज 30 अप्रैल को आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है. सभी जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे समय सीमा के भीतर नियुक्ति पत्र जारी करें. आवंटित इकाइयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे एक माह के भीतर नियुक्ति संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी करें.

उम्मीदवारों के लिए निर्देश

चयनित अभ्यर्थी कर्मचारी चयन मंडल भोपाल की वेबसाइट से अपनी आवंटित इकाई और वहां उपस्थित होने के संबंध में जरूरी निर्देश डाउनलोड कर सकते हैं. मुख्यमंत्री की इस पहल से न केवल प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि हजारों बेटियों को सरकारी सेवा का अवसर भी मिला है.

उज्जैन में महाकाल मंदिर के पास खुदाई के दौरान मिला जलाधारी शिवलिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन: विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास खुदाई के दौरान एक शिवलिंग निकला है। यह शिवलिंग जलाधारी में था। खुदाई करने वाले बुलडोजर चालक ने तत्काल मंदिर के अधिकारी को इसकी सूचना दी। इसके बाद यहां भक्त और पुजारी पहुंचने लगे। साथ ही दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हो गया।

2019 से महाकाल लोक का चर रहा निर्माण

दरअसल, 2019 से महाकाल लोक निर्माण और अन्य निर्माण कार्य के दौरान कई जगह खुदाई के कार्य चल रहे हैं। इस दौरान भी कई शिवलिंग और अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा निकली थी। महाकाल मंदिर के पास बड़ा गणेश मंदिर क्षेत्र में टनल बनाने का काम चल रहा है। इस कार्य को लेकर यहां खुदाई हो रही है।

भस्मआरती के दौरान शिवलिंग दिखा

शुक्रवार की सुबह महाकाल मंदिर में भस्म आरती हो रही थी। इस दौरान निर्माण के लिए खुदाई का कार्य भी चल रहा था। बुलडोजर चालक को अचानक जलधारी सहित शिवलिंग दिखा। उसने तत्काल अधिकारियों को सूचना दी। मौके पर अधिकारियों के अलावा महाकाल मंदिर के पुजारी भी पहुंचे। सुबह से ही शिवलिंग पर जल और पुष्प अर्पित करने का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं, आसपास के रहवासी भी दर्शन करने पहुंच रहे हैं। जमीन में दब गए जो कि अब खुदाई के दौरान निकल रहे हैं।

दहेज के मामले में जेल में बंद थी महिला, बैरक के भीतर साड़ी का फंदा बनाकर लगा ली फांसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश के रायसेन में दहेज प्रताड़ना के मामले में बंद एक महिला कैदी ने बैरक के भीतर फांसी लगाकर जान दे दी. घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया. महिला को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिलहाल, इस पूरे मामले की जांच की जा रही है.
मध्य प्रदेश के रायसेन से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां दहेज प्रताड़ना के मामले में बंद एक महिला कैदी ने जेल के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. महिला को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, ज डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

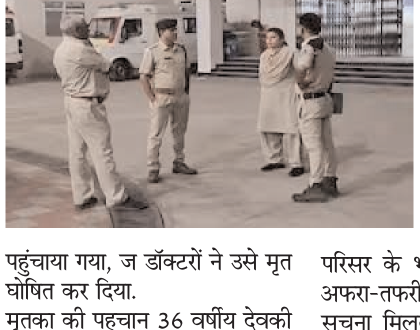

मृतका की पहचान 36 वर्षीय देवकी बाई के रूप में हुई है. वह गौहरगंज थाना क्षेत्र में दर्ज दहेज प्रताड़ना के मामले में रायसेन जिला जेल में बंद थी. गुरुवार को उसने जेल की बैरक के भीतर अपनी साड़ी से फंदा बनाया और फांसी लगा ली. जेल कर्मियों को जब इसकी जानकारी मिली तो तत्काल महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी. डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. जेल परिसर के भीतर हुई इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवा दिया है. रायसेन जिला जेल के जेलर आर.के. चोरे ने इस घटना को लेकर बताया कि महिला बंदी ने बैरक के अंदर फांसी लगाई है. मामले की नियमानुसार उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी. यह भी पता लगाया जा रहा है कि महिला ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया.
घटना की सूचना मृतका के परिजनों को दे दी गई है. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिला मानसिक तनाव में थी या फिर किसी अन्य वजह से उसने यह आत्मघाती कदम उठाया. प्रशासन का कहना है कि मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच होगी और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

जम्मू में निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरा, कई मजदूर मलबे में दबे

-सेना, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर; रेस्क्यू ऑपरेशन तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू जिले के बंतलाब-ठथर इलाके में शुक्रवार शाम एक निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना करीब शाम 4 बजे उस समय हुई, जब पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार 4 से 6 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। इसके साथ ही बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। मौके पर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रेस्क्यू टीमें सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक प्रभावित मजदूरों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

ठाणे में भाजपा सांसद सावर की कार का एक्सीडेंट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार सुबह भाजपा सांसद हेमंत सावर की कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा घोड़बंदर रोड पर हुआ, जब उनकी कार सामने से आ रहे एक डंपर से टकरा गई। दुर्घटना में सांसद सावर सुरक्षित बच गए, जबकि उनके कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मदद पहुंचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजामुद्दीन-मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, इसमें सूरत रेलवे स्टेशन पर एक महिला को करीब 6.30 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को पहले से सुराग मिला था कि एक महिला ट्रेन में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर यात्रा कर रही है, यहां तक कि उसकी सीट संख्या की पता चल गई थी। इसके बाद डीआरआई की टीम ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे डीआरआई अधिकारियों को तुरंत कोई शक नहीं हुआ। लेकिन जब महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच हुई, तब सच्चाई सामने आ गई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे, जबकि ऊपर कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को शक नहीं हो। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नासिक की निवासी है। बरामद मेथम्फेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी दर्शाती है कि तस्कर बेहद चालाक और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद महिला को सूरत की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल डीआरआई अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं और ड्रग्स के स्रोत, सप्लाई चेन तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में मामला एक बड़े संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि इस तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हाथ हो सकता है। दिल्ली से सूरत होकर मुंबई तक इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स की सप्लाई किसी बड़े लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की ओर इशारा करती है। डीआरआई अब दिल्ली और मुंबई में भी जांच का दायरा बढ़ा रही है।

उत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक बदलेगा मौसम का मिजाज

धूल भरी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने की शुरुआत के साथ ही देश के बड़े हिस्से में मौसम के मिजाज में व्यापक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने उत्तर, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष चेतावनी जारी की है, जिसमें मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस बदलाव से तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आंधी, बिजली गिरने और भारी वर्षा के कारण सुरक्षा का खतरा भी बना रहेगा।

राजधानी दिल्ली सहित हरियाणा और चंडीगढ़ में 1 से 6 मई के बीच मौसम का असर दिखेगा। इस दौरान इन क्षेत्रों में 40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी 6 मई तक मौसम अस्थिर रहने वाला है। राजस्थान, विशेषकर पूर्वी हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ छिटपुट बारिश के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहेगा, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात और सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। पूर्वी भारत में मौसम का सबसे आक्रामक रूप देखने को मिल सकता है। बिहार और झारखंड में अगले एक सप्ताह तक आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रहने का पूर्वानुमान है। बिहार में 2 मई से 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाला भीषण तूफान और भारी बारिश आने की आशंका है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ओडिशा के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की भी प्रबल संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर राज्यों-असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति चिंताजनक हो सकती है। अगले चार दिनों तक यहां मूसलाधार बारिश का अनुमान है। विशेष रूप से असम और मेघालय में 2 और 3 मई को अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मध्य भारत के राज्यों, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, वहीं छत्तीसगढ़ में 4 मई को 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाले तूफान की चेतावनी दी गई है, जो काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

खेड़ा मामले में कांग्रेस सीएम सरमा पर हमलावर, पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखे

-सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद सियासी पारा चढ़ा हुआ है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'सच्चाई और न्याय की जीत' करार देकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने फैसले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सच्चाई की जीत हुई है और न्याय हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा को अपनी पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उन्होंने पवन खेड़ा को अपमानित करने के लिए दिल्ली और हैदराबाद में पुलिस भेजी। कांग्रेस सांसद तिवारी ने सरमा की इस कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की कार्रवाई स्वीकार्य नहीं हो सकती और यह राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट उदाहरण है।

पूरे मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर लगातार निशाना साधकर कहा कि विपक्षी नेताओं को दबाने की कोशिश हो रही है। पार्टी का कहना है कि अदालत के फैसले ने साफ किया है कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही थी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री सरमा के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि इस मामले के बाद नैतिक आधार पर उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

हज यात्रा के हवाई किराए में बढ़ोत्तरी, औवेसी का हमला...'जायरीनों का शोषण'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हज यात्रा के हवाई किराए में 10,000 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक विवाद बढ़ गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह फैसला वैश्विक परिस्थितियों, खासकर मध्य-पूर्व में तनाव और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों को देखकर लिया है। कमेटी, जो अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के तहत काम करती है, ने स्पष्ट किया कि यह बढ़ोतरी एक बार की है और यात्रियों को अतिरिक्त 100 अमेरिकी डॉलर (करीब 10,000 रुपये) देना होगा। केंद्र सरकार के अनुसार, ईरान में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर एटीएफ की कीमतें दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई हैं। एयरलाइंस की कुल लागत में ईंधन का हिस्सा 30-40 प्रतिशत तक होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का सीधा असर हवाई किराए पर पड़ रहा है। हज कमेटी के सर्कुलर में कहा गया है कि सभी जायरीनों को 15 मई तक अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी, ताकि यात्रा व्यवस्थाएं प्रभावित न हों।

हालांकि, हज कमेटी के फैसले का विरोध भी तेज हो गया है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले को ÷जायरीनों का शोषण÷ करार देकर मोदी सरकार से सर्कुलर वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग हज यात्रा के लिए वर्षों तक पैसे बचाते हैं और यह कोई विलासिता नहीं बल्कि धार्मिक कर्तव्य है। ओवैसी ने उल्लेख किया कि पहले ही कुछ एम्बार्केशन पॉइंट्स से यात्रा का किराया काफी ज्यादा था, इसके बाद अंतिम समय पर अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है। इसी तरह, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने भी सवाल उठाया कि जब किराया पहले तय हो चुका था, तब यात्रा से ठीक पहले यह बढ़ोतरी क्यों की गई। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने के लिए किया गया है।

लेकिन मामले में विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस ने शुरुआत में प्रति यात्री 300 से 400 डॉलर अतिरिक्त शुल्क की मांग की थी, लेकिन केंद्र सरकार के हस्तक्षेप कर घटाकर केवल 100 डॉलर किया गया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, यह निर्णय पारदर्शिता और संतुलन के साथ लिया गया है, ताकि यात्रियों पर अधिक बोझ न पड़े और यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि यह ÷शोषण÷ नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है, जिससे यात्रियों को और अधिक महंगे किराए से बचाया गया है। फिलहाल, इस मुद्दे पर बहस जारी है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र सरकार आगे कोई राहत देती है या नहीं।

बंगाल चुनाव परिणामों को लेकर बीजेपी ने बुलाई हाईप्रोफाइल बैठक

-ममता को अपनी जीत और चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकाता, (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को कोलकाता में एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक का मकसद पश्चिम बंगाल के अहम विधानसभा चुनावों के लिए 4 मई को होने वाली वोटों की गिनती से पहले पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करना है। इस बैठक में पार्टी का नेतृत्व बूथ-स्तर के प्रबंधन और तालमेल की व्यवस्था का जायजा लेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। इसके अलावा पार्टी 4 मई के डी-डे के लिए अपनी रणनीति और कार्यप्रणाली को भी अंतिम रूप देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान तैनात किए गए सभी प्रवासी जिनमें संसद और विधानसभा सदस्य शामिल हैं उनको इस बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। इन नेताओं को अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, और वे अपने-अपने क्षेत्रों से विस्तृत फीडबैक और ताजा जानकारी देंगे। पश्चिम बंगाल में जहां 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान हुआ था, ज़्यादातर एग्जिट पोल ने बीजेपी की जीत का अनुमान लगाया है। इन अनुमानों में बीजेपी को सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी पर साफ बढ़त मिलती दिख रही है। हालांकि, कुछ एग्जिट पोल ने टीएमसी की जीत का अनुमान भी लगाया है।

मैट्रिज़ एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक बीजेपी को 146 से 161 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि टीएमसी को करीब 125 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है। 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में अन्य दलों को भी 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं। एग्जिट पोल के अनुमानों से बीजेपी का उत्साह बढ़ा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा है कि वह अगली बार पश्चिम बंगाल का दौरा बीजेपी के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करेंगे।

हालांकि एग्जिट पोल में टीएमसी के मुकाबले बीजेपी को बढ़त दिखाई गई है। वहीं ममता बनर्जी को अपनी जीत और लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। हालांकि गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में सीएम ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से ईवीएम रखे जाने वाले स्ट्रांग रूम पर 24 घंटे कड़ी निगरानी रखने की अपील की। ??उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की गिनती शुरू होने से पहले बीजेपी मशीनों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने एग्जिट पोल के अनुमानों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम 226 का आंकड़ा पार कर लेंगे। हो सकता है कि हम 230 तक भी पहुंच जाएं, जिस तरह से लोगों ने वोट दिया है, उस पर मुझे पूरा भरोसा है।

मतदाताओं का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी भीषण गर्मी और इतने ज़्यादा जुल्म के बावजूद, जिस तरह आप लोग वोट डालने के लिए कतारों में खड़े रहे हम आपके आभारी हैं। मैं अपने कार्यकर्ताओं की भी आभारी हूं। उन्होंने अपनी पूरी ताक़त से लड़ाई लड़ी। उन्होंने बहुत जुल्म सहे, जिन लोगों ने बंगाल को दबाने की कोशिश की, वे खुद ही बैलेट बॉक्स में दब गए।

इस एग्जिट पोल ने दे दिया ममता को खुश होने का मौका, टीएमसी नेता कर रहे बल्ले-बल्ले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर जारी विभिन्न एग्जिट पोल के नतीजों ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। कई सर्वे एजेंसियों के अनुमान अलग-अलग तस्वीर दिखा रहे हैं, जिससे राज्य की सियासी स्थिति को लेकर स्पष्टता नहीं बन पा रही है। इसी बीच एक सर्वे एजेंसी पोलीक्यू के एग्जिट पोल ने सभी को चौंका दिया है, क्योंकि इसके अनुमान अन्य प्रमुख सर्वे से काफी अलग दिख रहे हैं। पोलीक्यू के एग्जिट पोल के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को बंगाल में इस बार 50 से 82 सीटों के बीच ही सीमित रहना पड़ सकता है। यह आंकड़ा 2021 विधानसभा चुनाव से भी कम माना जा रहा है, जब बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए सर्वे सकारात्मक संकेत देता है। पोलीक्यू का अनुमान है कि टीएमसी को 200 से 220 सीटें मिल सकती हैं, जो 2021 के चुनाव में मिली 215 सीटों के लगभग बराबर या उससे थोड़ा बेहतर रहेगा। सर्वे के मुताबिक वाम दलों का प्रदर्शन कमजोर रहने की संभावना है और उन्हें 0 से 3 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को भी सीमित सफलता मिलने का अनुमान है, जहां उसे 1 से 2 सीटों के बीच जीत मिल सकती है। अन्य दलों के खाते में भी 0 से 3 सीटें जाने की संभावना है। पोलीक्यू ने दावा किया है कि उसने सीटवार विश्लेषण तैयार किया है, जिसमें हर सीट पर संभावित विजेता का आकलन किया है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि अन्य प्रमुख एग्जिट पोल पोलीक्यू के अनुमान से अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। कुछ सर्वेक्षण बीजेपी को बढ़त और संभावित सरकार बनाने की स्थिति में दिखा रहे हैं, जबकि कुछ टीएमसी को फिर से बहुमत के करीब बता रहे हैं। इस कारण पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

घुमका में रेत का अवैध परिवहन करने पर 2 हाईवा जप्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग द्वारा गस्त के दौरान ग्राम चारभाठा, घुमका, पटेवा, बीजेतला में खनिजों के अवैध परिवहन

एवं भण्डारण पर कार्रवाई की गई। इसके तहत घुमका में देवेन्द्र साहू के स्वामित्व की हाईवा सीजी 07 सीएक्स 9116 से ग्राम नंदनी निवासी वाहन चालक हीरा पटेल द्वारा रेत का अवैध परिवहन करने तथा फागू वर्मा के स्वामित्व की हाइवा सीजी 08 एई 2553 द्वारा रेत का अवैध भण्डारण से परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना घुमका को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से संजना के आर्थिक उन्नयन की खुली राह

जनरल स्टोर्स से हो रही 50 से 60 हजार रूपए प्रतिमाह आय

संजना ने बनाया अपना नया घर, खेती किसानी के लिए खरीदा ट्रेक्टर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं में न केवल सकारात्मक परिवर्तन एवं जागृति आयी है, बल्कि उनके आर्थिक उन्नयन की राह खुली है। ऐसी ही एक बानगी पेश की है, राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुकुलदैहान की लखपति दीदी श्रीमती संजना निर्मलकर ने। जिन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर अपने जीवन स्तर को मजबूत किया और उनकी जिंदगी बदल गई है। श्रीमती संजना निर्मलकर ने बताया कि वे माँ भवानी स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं और अपनी आजीविका को बढ़ाने के लिए उन्होंने बैंक लिंकेज के माध्यम से 1 लाख रूपए का ऋण लिया तथा 2 लाख रूपए का मुद्रा लोन जनरल स्टोर्स प्रारंभ करने के लिए लिया। अब यह जनरल स्टोर्स अच्छा चल रहा है, जिससे उन्हें 50 से 60 हजार रूपए प्रतिमाह आय हो रही है। इसके साथ ही उन्होंने 30 डिसमिल के तालाब में समूह के साथ मिकर मछली पालन प्रारंभ किया। जिसके लिए 60 हजार रूपए का अनुदान मिला है, जिससे फायदा मिल रहा है। वे बैंक मित्र के रूप में भी कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि समूह से जुडऩे से पहले उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। समूह से जुडऩे के

बाद बैंक लिंकेज से आजीविका में परिवर्तन आया। लखपति दीदी श्रीमती संजना निर्मलकर ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्होंने इस वर्ष अपना नया घर बनावा लिया है और खेती-किसानी के लिए ट्रेक्टर खरीदा है। जिससे परिवार में बहुत खुशी है। उन्होंने बताया कि घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर कार्य करने से आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार के सहयोग से अच्छी तरह कार्य कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि वे शासन की अन्य योजनाओं जिसमें महतारी वंदन योजना, कृषक सम्मान निधि का भी लाभ ले रही है। श्रीमती संजना निर्मलकर ने शासन की लाभप्रद योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि आगे भविष्य में अपने व्यवसाय को बढ़ाना चाहती है और कपड़े

देश में कट्टरपंथियों और मिशनरीज के नेटवर्क कितना खतरनाक है सनोज मिश्रा निर्देशक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मणिपुर. द डायरी ऑफ मणिपुर के निर्माता निर्देशक सनोज मिश्रा ने कट्टरपंथियों एवं धर्मांतरण करने वाले लोगों को देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया क्या कुछ सनोज मिश्रा ने कहा सुनिए उन्हीं की जुबानी जेहादियों से देश को सबसे ज्यादा खतरा है उसका उदाहरण मै हूं, मेरे खिलाफ केरलम में पोक्सो धारा में केस दर्ज किया गया है , क्योंकि मैने लव जिहाद की खिलाफ आवाज उठाई दलितों आदिवासियों की आवाज उठाई जिनके अनुसार वायरल गर्ल नाबालिक है और एक षडयंत्र के तहत केरल ले जाकर लव जिहाद को अंजाम दिया गया, मुझे शुरू से ही लगातार धमकी मिल रही थी झूठे केस में फसाने और जान से मारने की, पुलिस जांच में सच्चाई सामने आई वायरल गर्ल नाबालिक निकली प्रमाण पत्र फर्जी थे फिर भी जिहादी स्वतंत्र है और उल्टा अब मुझे पुलिस खोज रही है क्योंकि जिहादियों ने मेरे खिलाफ वायरल गर्ल का सहारा लिया है, ये सब अफगानिस्तान सीरिया में नहीं केरला में हो रहा है भारत में ,सनातन की लड़ाई आसान नहीं है इसकी कीमत चुकानी पड़ती है मै चुका रहा हूं फिर भी लोग सो रहे है कटाक्ष कर रहे है क्योंकि उनके यहां सब ठीक चल रहा है,

महंगाई का तड़का: कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 993 का 'धमाका', रेस्टोरेंट संचालक परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आम आदमी की रसोई के बाद अब बाहर का खाना भी कड़वा होने वाला है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में हुए बेतहाशा इजाफे ने रेस्टोरेंट और होटल उद्योग की कमर तोड़ दी है। गैस सिलेंडर के दाम में एक साथ करीब 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे रेस्टोरेंट संचालकों के बीच हड़कंप मच गया है।

आंकड़ों का गणित: आसमान छूती कीमतें

बाजार में आए इस उछाल के बाद कीमतों का गणित पूरी तरह बदल गया है:

- **पुराना दाम:** 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर पहले 2078 में मिलता था।
- **नया दाम:** अब इसके लिए संचालकों को 3071 (कुल बढ़ोतरी के साथ लगभग 3993 तक के भाव की चर्चा) चुकाने पड़ रहे हैं।
- **सीधा असर:** लागत में अचानक हुई इस वृद्धि ने छोटे ढाबों से लेकर बड़े रेस्टोरेंट्स के बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है।

संचालकों की दोहरी मार: न निगलते बन रहा, न उगलते

महानगर मेट्रो से बातचीत करते हुए कई रेस्टोरेंट संचालकों ने अपनी दुविधा व्यक्त की। उनका कहना है कि:

1.लागत का बोझ: अगर वे इतने महंगे दाम पर गैस खरीदते हैं, तो मौजूदा कीमतों पर भोजन बेचना घाटे का सौदा साबित होगा।

2.ग्राहकों का डर: अगर गैस की मार का बोझ ग्राहकों पर डाला जाता है और 'थाली' के दाम बढ़ाए जाते हैं, तो मंदी के इस दौर में ग्राहकों की संख्या घटने का बड़ा खतरा है।

क्या प्लेट पर दिखेगा असर?

होटल एसोसिएशन और संचालकों का कहना है कि उनके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है। 'ना छूटे' (मजबूरी में) उन्हें खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। यदि स्थिति यही रही, तो आने वाले दिनों में बाहर खाना आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगा।

महानगर मेट्रो का सवाल:

एक तरफ व्यापार को बढ़ावा देने की बातें हो रही हैं, तो दूसरी तरफ गैस जैसी मूलभूत आवश्यकता के दामों में करीब एक हजार रुपये की वृद्धि क्या मध्यम वर्गीय व्यापारियों को खत्म करने की साजिश है? सरकार को इस दिशा में कोई ठोस राहत देने की जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए एटीएफ 5 फीसदी महंगा, घरेलू दरों में स्थिरता

वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के चलते लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) के दाम शुक्रवार को पांच प्रतिशत बढ़ा दिए गए। यह लगातार दूसरा महीना है जब वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण एटीएफ महंगा हुआ है, जिसका बोझ तेल कंपनियां सुनियोजित तरीके से ग्राहकों पर डाल रही हैं। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे उन्हें फिलहाल राहत मिली है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय विमान ईंधन की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़कर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर हो गई है। यह वृद्धि 1 अप्रैल को हुई दरों में भारी बढ़ोतरी के बाद आई है, जब एटीएफ की कीमतों में लगभग 25 फीसदी का उछाल देखा गया था। विमान ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक समय से विनियमित हैं और तब से ये अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क कीमतों के अनुरूप तय की जाती हैं। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तीव्र उछाल को देखते हुए, सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों में वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, विदेशी विमानन कंपनियों को अब बाजार दरों पर ईंधन मिलेगा, जबकि घरेलू विमानन कंपनियों के लिए कीमतों को फिलहाल नियंत्रित रखा गया है ताकि घरेलू बाजार पर तत्काल प्रभाव न पड़े।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 60 हजार करोड़ निकाले

2026 के शुरुआती चार महीनों में कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपए हुई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी अप्रैल में भी जारी रही, जिसमें 60,847 करोड़ रुपये (लगभग 6.5 अरब डॉलर) बाहर निकाले गए। भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में जोखिम लेने की क्षमता कम हुई है, जिसके परिणामस्वरूप यह भारी बिकवाली देखी जा रही है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस ताजा निकासी से 2026 के पहले चार महीनों में एफपीआई की कुल निकासी 1.92 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। यह राशि समूचे 2025 में दर्ज 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है, जो एक चिंताजनक प्रवृत्ति दर्शाती है। वर्ष 2026 में फरवरी को छोड़कर सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे, जिसमें मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह निरंतर बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबावों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का सीधा परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे वैश्विक महंगाई की चिंताएं फिर बढ़ गईं। इससे ब्याज दरों में जल्द कटौती की उम्मीदें कम हुईं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल ऊंचे बने रहे, जिसका असर भारत सहित उभरते बाजारों पर पड़ा। एंजेल वन के विश्लेषक ने इसे अमेरिका-ईरान तनाव के कारण जोखिम से बचने की सामान्य प्रतिक्रिया करार दिया। कच्चे तेल में वृद्धि, रुपये की कमजोरी और महंगाई की चिंताओं ने निवेशकों का भरोसा डिगाया है।

स्मॉल और मिडकैप का जलवा 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त

– कमाई की उम्मीदें और खुदरा निवेशकों की दिलचस्पी बनी वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स ने अप्रैल 2026 में 12 साल की सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज कर निवेशकों को चौंका दिया है। बुधवार तक, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 20.1 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स 14.8 प्रतिशत चढ़ा, जबकि बेंचमार्क सेंसेक्स में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह उत्साहजनक प्रदर्शन स्थिर कमाई की उम्मीदों और खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है, लेकिन बाजार विशेषज्ञ आने वाले समय में अस्थिरता और सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले मई 2014 में ही स्मॉलकैप इंडेक्स ने 20.4 प्रतिशत और मिडकैप इंडेक्स ने 15.6 प्रतिशत की उछाल दर्ज की थी। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसार, इस हालिया तेजी के पीछे मार्च 2026 तिमाही की स्थिर कमाई की उम्मीदें और प्राथमिक बाजारों में सीमित अवसरों के कारण खुदरा निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी प्रमुख है। 2025 स्मॉल-मिडकैप के लिए निराशाजनक रहने से इनके मूल्यांकन आकर्षक हो गए थे। अप्रैल में, बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स के कुल 1,262 शेयरों में से आधे से अधिक (734) ने 20 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया। इनमें 84 शेयर लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़े और 474 शेयरों ने 25 से 50 प्रतिशत के बीच बढ़त दर्ज की। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, जिससे ये दोनों सेगमेंट भी अस्थिर रह सकते हैं। ऐसे में शेयरों का सही चुनाव ही सबसे महत्वपूर्ण होगा। अल्पकालिक नजरिए से, विश्लेषक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट

के बंद रहने की स्थिति में पूरे बाजार में कमजोरी की आशंका जता रहे हैं। तकनीकी रूप से, निफ्टी के लिए 23,800 का स्तर महत्वपूर्ण समर्थन है। यदि यह टूटता है, तो बाजार 23,600-23,400 तक तेजी से गिर सकता है।

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री अप्रैल में 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अप्रैल में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 51,902 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उसकी स्थापना के बाद से अप्रैल महीने में यह उसकी अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री है। अप्रैल 2026 में कंपनी का निर्यात 13,708 इकाई रहा।वाहन विनिर्माता कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि हमने नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूती के साथ की है और पिछले महीनों की गति को अप्रैल 2026 में भी बनाए रखा है। कंपनी की कॉम्पैक्ट एसयूवी हुंदै वेन्यू ने अप्रैल 2026 में 12,420 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक मासिक घरेलू बिक्री दर्ज की।

महंगी रसोई गैस ने तोड़ी गरीबों की कमर,छोटू सिलेंडर सबसे महंगा

नई दिल्ली।

ईएमएस,देश में रसोई गैस की कीमतों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की नीतियां गरीबों के लिए मुश्किलें खड़ी करती हुई दिख रही हैं। 5 किलो के छोटू सिलेंडर की कीमत अचानक 549 रुपये से बढ़ाकर 810 रुपये कर दी गई है। जो करीब 162 रुपये प्रति किलो हो गई है।19 किलो का कामर्शियल सिलेंडर (लगभग 160 रुपये प्रति किलो) से भी ज्यादा दाम में छोटू सिलेंडर की गैस बिकेगी? सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि छोटू सिलेंडर का उपयोग मुख्य रूप से गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग करते हैं। वहीं, 14.2 किलो के सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 913 रुपये (करीब 65 रुपये प्रति किलो) है। 14.02 किलो के गैस सिलेंडर की सप्लाई पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगातार घटाई जा रही है। कई इलाकों में लोगों को डेढ़ से दो महीने तक इंतजार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में गरीब परिवार एवं मध्यम वर्ग को मजबूरी में छोटा सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा कीमत गरीब और मध्यम वर्ग को चुकानी पड़ रही है। यह स्थिति साफ तौर पर संकेत देती है,कंपनियां सस्ती गैस की उपलब्धता कम करके महंगी गैस उपभोक्ताओं को बेचने की साजिश कर रही हैं। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है। सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। सरकार और संबंधित कंपनियों को तुरंत हस्तक्षेप कर छोटू गैस की कीमत कम करनी चाहिए। मध्यम वर्ग और गरीबों को सस्ती और समय पर गैस उपलब्ध हो। रसोई गैस की यह महंगाई आम जनता स्वीकार कर पाएगी या नहीं कहना मुश्किल है।

ऊर्जा सुरक्षा पर कार्यबल का जोर पीएनजी विस्तार के लिए कई बड़े सुझाव

60 लाख नए कनेक्शन का लक्ष्य, नए भवनों में पीएनजी अनिवार्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गठित एक सरकारी कार्यबल ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) क्षेत्र में बड़े बदलाव और पाइपलाइन प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के तेजी से विस्तार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यबल ने जून 2026 तक 60 लाख नए पीएनजी कनेक्शन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

साथ ही इसने सभी नए और निर्माणाधीन भवनों में पीएनजी को अनिवार्य करने, इस पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) को कम करने और जहां बुनियादी ढांचा मौजूद है, वहां वाणिज्यिक खाद्य प्रतिष्ठानों के लिए भी पीएनजी का उपयोग अनिवार्य करने की सिफारिश की है।

मौजूदा सड़क गलियारों के साथ भूमिगत सीजीडी पाइपलाइन क्रॉसिंग के लिए वन मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने का भी सुझाव दिया गया है।

'पीएनजी एक्सेलरेशन फॉर क्लीन एनर्जी (पेस)' नामक इस कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में पीएनजी का विस्तार एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। पाइपलाइन का बुनियादी ढांचा तो मौजूद है, लेकिन अंतिम छोर तक तेजी से सुविधा पहुंचाना ही मुख्य चुनौती है। कार्यबल ने एलपीजी वितरकों को 'गैस ट्रांजिशन पार्टनर' के रूप में फिर से परिभाषित करने और उन्हें घरेलू पीएनजी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्रत्यक्ष विपणन एजेंसियों के रूप में शामिल करने का आह्वान किया है। इसके अतिरिक्त, पीएनजी आपूर्ति के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को तेजी से अपनाने की भी वकालत की गई है, जिससे ग्राहकों के लिए सुविधा और दक्षता बढ़ेगी।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए खुशखबरी न्यूनतम पेंशन होगी 7500 रुपए

ब्याज दर 8.25 फीसदी, ई-प्रापटी पोर्टल से पुराने खाते जोड़ना भी हुआ आसान

नई दिल्ली ।

देश के करोड़ों कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) खाताधारकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। सरकार कई महत्वपूर्ण बदलावों पर काम कर रही है, जिनसे पेंशनधारकों और पीएफ सदस्यों को व्यापक राहत मिलने की उम्मीद है। इनमें न्यूनतम पेंशन में भारी बढ़ोतरी से लेकर पैसे निकालने की आसान सुविधा और त्वरित क्लेम सेटलमेंट तक शामिल है। सबसे अहम बदलाव न्यूनतम पेंशन को लेकर है। वर्तमान में 1,000 की न्यूनतम पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए प्रति माह करने का प्रस्ताव सरकार द्वारा गंभीरता से विचाराधीन है। यह कदम मजदूर संगठनों के दबाव और संसदीय समिति की सिफारिशों के बाद उठाया गया है, जिससे लाखों पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। ईपीएफओ अपने सिस्टम को आधुनिक बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। भविष्य में पीएफ का पैसा निकालना उतना मुश्किल नहीं रहेगा, क्योंकि संगठन एटीएम के जरिए सीधे पैसा निकालने की सुविधा शुरू करने की तैयारी में है। इससे आपात स्थिति में सदस्यों को तत्काल नकदी मिल सकेगी। इसके अतिरिक्त, मौजूदा वित्त वर्ष के लिए ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज दर

प्रस्तावित की है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया में भी बड़ा सुधार हुआ है; ऑटोमेशन की मदद से अधिकांश एडवांस क्लेम अब तीन दिन के भीतर निपटाए जा रहे हैं, जो ईपीएफओ की बढ़ती दक्षता को दर्शाता है। पुराने और निष्क्रिय खातों को जोड़ने के लिए ई-प्रापटी नामक पोर्टल भी लॉन्च किया गया है, जो आधार आधारित एक्सेस के साथ यूएएन से जुड़े न होने वाले खातों को भी लिंक करने की सुविधा देता है।

अब 5 किलो वाला एफटीएल सिलेंडर भी 261 रुपए महंगा

नई दिल्ली ।

चुनावों के खत्म होते ही आम जनता पर महंगाई का एक और बोझ आ गिरा है। 1 मई, 2026 से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के साथ ही छोटे इस्तेमाल वाले 5 किलो फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 5 किलो वाले इस सिलेंडर की कीमत में 261 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। जो सिलेंडर पहले 549 में मिलता था, उसकी कीमत अब बढ़कर 810 हो गई है। यह वृद्धि उन छोटे कारोबारियों के लिए बड़ी चुनौती है जो ढाबों, रेहड़ी-पटरी और अस्थायी किचन में इस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। यह सिलेंडर विशेष रूप से कम बजट वाले और छोटे व्यवसाय चलाने वालों के लिए अहम है। कीमत बढ़ने से इन छोटे दुकानदारों का संचालन खर्च बढ़ेगा, जिसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब छोटे व्यापारी पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बढ़ोतरी से उनकी कमाई पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

एयर इंडिया 100 उड़ानें रद्द करेगी, एविएशन सेक्टर में हाहाकार

- घरेलू-अंतर्राष्ट्रीय दोनों रूट्स प्रभावित, एफआईए ने सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली ।

आसमान छूती कच्चे तेल और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों ने भारतीय एविएशन सेक्टर को गंभीर संकट में धकेल दिया है। इस भारी लागत के दबाव में एयर इंडिया करीब 100 दैनिक उड़ानें रद्द करने की तैयारी में है। एयर इंडिया की यह कटौती जून महीने से लागू होगी और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय दोनों रूट्स पर असर डालेगी। खासकर यूरोप, नॉर्थ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर के रूट्स प्रभावित होंगे। यह फैसला एयर इंडिया द्वारा प्रतिदिन संचालित की जाने वाली लगभग 1,100 उड़ानों में से एक बड़ी कटौती है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस के संगठन, फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने सरकार से तत्काल राहत की मांग की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में जेट फ्यूल की कीमत मार्च के मुकाबले दोगुनी हो गई है, और एयरलाइंस की कुल परिचालन लागत का लगभग 40 फीसदी एफटीएफ पर ही खर्च होता है, जिससे मामूली

बढ़ोतरी भी मुनाफे पर गहरा असर डालती है। एयर इंडिया पर इसका असर विशेष रूप से अधिक है क्योंकि इसकी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का हिस्सा बड़ा है। पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने के कारण यूरोप और नॉर्थ अमेरिका की उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ता है, जिससे ईंधन और क्रू लागत में और इजाफा हुआ है। पहले ही 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा झेल रही एयर इंडिया पर टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस का घाटा कम करने का दबाव है। इसी बीच, कंपनी के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने भी अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा दे दिया है।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.43 लाख करोड़ के पार

8.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज, आयात शुल्क में 25.8 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत देते हुए, अप्रैल महीने में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले साल की तुलना में 8.7 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। यह ऐतिहासिक संग्रह इससे पहले अप्रैल में दर्ज किए गए 2.23 लाख करोड़ रुपये के सर्वाधिक आंकड़े को भी पीछे छोड़ गया है। घरेलू बिक्री और खरीद से प्राप्त सकल राजस्व में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं आयात से जीएसटी संग्रह में 25.8 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई, जो 57,580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

रिफंड जारी करने के बाद भी शुद्ध जीएसटी संग्रह 7.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गतिशीलता और उपभोक्ता मांग में सुधार को दर्शाता है।

भारत में डिजिटल गेमिंग का नया युग पेड गेम्स पर प्रतिबंध, ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा

1 मई से लागू हुए नए नियम, उम्र सत्यापन, पैरेंटल कंट्रोल अनिवार्य; उल्लंघन पर भारी जुर्माना

नई दिल्ली ।

1 मई से भारत में डिजिटल गेमिंग के परिदृश्य में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है। सरकार के नए प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग रूल्स, 2026 देश भर में प्रभावी हो गए हैं, जिनके तहत पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी ऑनलाइन गेम्स (पेड गेम्स) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य गेमिंग उद्योग को व्यवस्थित करना और गेमर्स को साइबर धोखाधड़ी व लत से बचाना है। नए नियमों के तहत ऑनलाइन गेम्स को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है- ई-स्पोर्ट्स, जो कौशल-आधारित प्रतिस्पर्धी खेल होंगे; और ऑनलाइन मनी गेम्स। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब पैसे लगाकर खेले जाने वाले सभी गेम्स (पेड गेम्स) पर देश भर में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों के उल्लंघन पर कड़े दंड का प्रावधान है। बार-बार नियमों को तोड़ने वाले प्लेटफॉर्म को 3 साल की जेल और 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं प्रतिबंधित पेड गेम्स का विज्ञापन करने पर 5 साल की कैद और 2 करोड़ रुपये के जुर्माने की सजा मिलेगी। इन नियमों में गेमर्स, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। अब गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए यूजर की उम्र का सत्यापन, बेहतर पैरेंटल कंट्रोल, गेमिंग की लत छुड़ाने के लिए टाइम लिमिट और मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य होगी। यह केंद्रीय पहल देश भर में ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक समान कानूनी ढांचा प्रदान करेगी, जिससे पहले मौजूद असमंजस समाप्त होगा और गेमर्स को वित्तीय नुकसान तथा मानसिक तनाव से बचाने में मदद मिलेगी। अब एक केंद्रीय प्राधिकरण पूरे देश के लिए गेम की कैटेगरी तय करेगा, जो गेमिंग इंडस्ट्री को नई दिशा देगा।

भारत ने बदली तेल खरीद रणनीति वेनेजुएला-ब्राजील से बढ़ी सप्लाई

होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान से ऐतिहासिक बदलाव, इराक से तेल खरीद शून्य

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक उथल-पुथल और होर्मुज स्ट्रेट में व्यवधान ने भारतीय रिफाइनरियों को अपनी कच्चे तेल खरीद रणनीति में ऐतिहासिक बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है। अप्रैल में, भारत के शीर्ष पांच आपूर्तिकर्ताओं की सूची में वेनेजुएला और ब्राजील ने प्रमुखता से अपनी जगह बनाई है, जबकि पारंपरिक रूप से दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता इराक से तेल खरीद वर्षों में पहली बार शून्य पर आ गई है।

यह बदलाव संघर्ष-पूर्व की स्थिति से उल्लेखनीय रूप से भिन्न है, जब रूस, इराक, सऊदी अरब, यूएई और अमेरिका भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता थे। समुद्री खुफिया फर्म केपलर के आंकड़ों के अनुसार, यह बदलाव तब आया है जब होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के कारण पश्चिम एशिया, खासकर इराक, कुवैत और कतर जैसे देशों से भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति शून्य हो गई है। होर्मुज स्ट्रेट एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है जिसके माध्यम से वैश्विक कच्चे तेल का लगभग 20 प्रतिशत पारगमन होता है। इराक, जो संघर्ष से पहले भारत को प्रतिदिन 10 लाख बैरल कच्चा तेल आपूर्ति करता था, उसकी आपूर्ति पूरी तरह रुक गई है। केपलर के एक वरिष्ठ रिफाइनिंग विश्लेषक ने बताया कि सऊदी अरब और यूएई के विपरीत, इराक के पास एशियाई बाजारों तक पहुंचने के लिए कोई वैकल्पिक निर्यात ढांचा नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष अनसुलझा रहता है, तो क्षेत्र से इराकी तेल की आपूर्ति दबे स्तर पर बनी रहने की संभावना है। इस ऐतिहासिक बदलाव के बीच, भारतीय रिफाइनर वैश्विक बाजार में विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। अप्रैल में वेनेजुएला भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है, जिसने 2,98,000 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल की आपूर्ति की, जो पहले शून्य थी। अमेरिकी नियंत्रण में काराकस तेल संपत्तियों के आने के बाद भारतीय रिफाइनरों ने वेनेजुएला का तेल फिर से खरीदना शुरू किया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस खरीद का बड़ा हिस्सा किया है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी की जटिलता उसे वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल को संसाधित करने में सक्षम बनाती है। ब्राजील भी भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनकर उभरा है।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

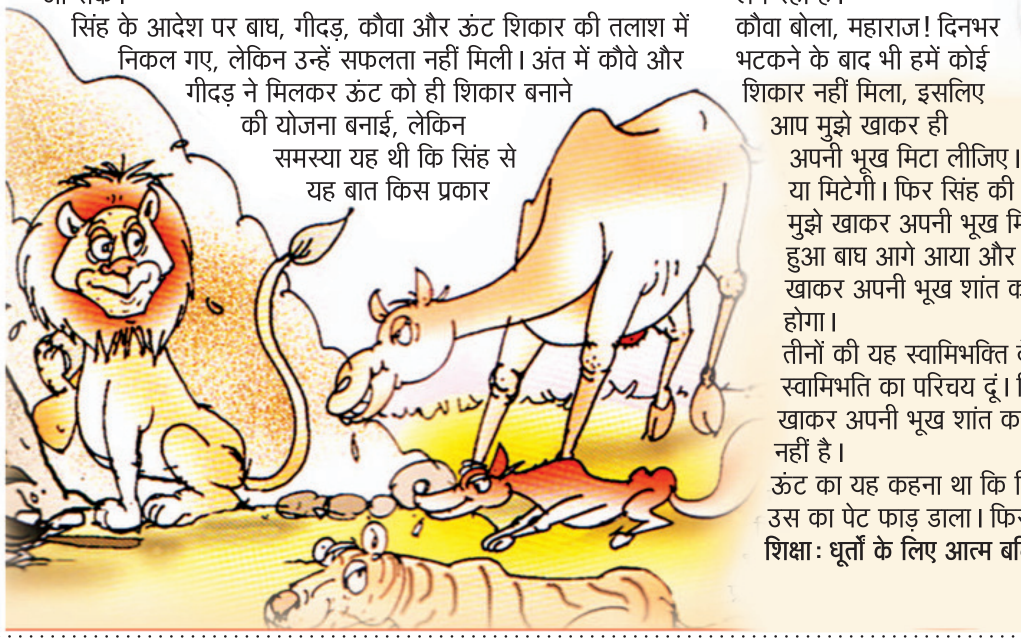

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

कहानी

क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षों से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे-हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरुरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी ओर गेंदाबाजी दोनो में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलत से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादब और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं।

उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद.

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

लक्ष्य सेन ने मैच प्वाइंट बचाया, भारत को चीनी ताइपे पर दिलाई बढ़त

होर्सेंस (डेनमार्क)(एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने दो मैच प्वाइंट बचाते हुए विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को हराकर भारत को शुक्रवार को यहां थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल्स के क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य इस मैच में अधिकतर समय पीछे चल रहे थे लेकिन उन्होंने गजब का जुझारूपन दिखाया तथा एक घंटे और 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-17 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आपस में रिकॉर्ड 4-4 से बराबरी पर था। इस मुकाबले में लंबी रैलियों, सटीक स्ट्रोकप्ले और उतार-चढ़ाव से भरपूर रोमांचक द्वंद्व देखने को मिला। चोउ ने पहला गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद जीता, लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने दबाव में शानदार वापसी की।

भारतीय खिलाड़ी ने 13-17 से पीछे रहने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर बराबर कर लिया। चोउ को दो मैच प्वाइंट मिले, लेकिन लक्ष्य ने अपना संयम बनाए रखा और दोनों को बचाकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में 36 वर्षीय चोउ शारीरिक रूप से कमजोर पड़ते नजर आए और लक्ष्य ने इंटरवल तक 11-7 की बढ़त के साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद भी उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और मैच जीतने में सफल रहे। भारत अपनी बढ़त को और मजबूत करने की कोशिश करेगा जब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का सामना चियू सियांग चिएह और वांग ची-लिन से होगा। अन्य मैचों में आयुष शेट्टी का मुकाबला लिन चुन-यी से होगा। हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी का सामना लियू कुआंग हेंग और यांग पो-ह्सुआन से जबकि किदाम्बी श्रीकांत का सामना ची यू जेन से होगा।

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहेंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। कंधे की चोट के चलते उन्होंने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। चानू का मुख्य लक्ष्य इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करना है, जिसके लिए वह कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। उनका यह रणनीतिक निर्णय सुनिश्चित करेगा कि वह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से फिट और तैयार रहें।भारोत्तोलन एक ऐसा खेल है जिसमें शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, और चानू जैसी शीर्ष स्तर की एथलीट के लिए चोट से बचाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाली मीराबाई का मानना है कि उनकी शारीरिक स्थिति सर्वोच्च प्राथमिकता है। एशियाई चैंपियनशिप से बाहर रहकर, उन्हें अपनी चोट से पूरी तरह उबरने और आगामी मेगा-इवेंट्स के लिए अपनी शक्ति और तकनीक को निखारने का पर्याप्त समय मिलेगा। यह कदम उनके दीर्घकालिक करियर के लिए भी बुद्धिमानी भरा है, ताकि वह भविष्य में भी भारत के लिए पदक जीतती रहें। मीराबाई चानू का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल होंगे। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।

आईपीएल में इस बार डिकॉक सहित पांच बल्लेबाजों के शतक के बाद भी हारी टीम

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ये सत्र कई मायनों में पिछले सत्रों से अलग नजर आ रह है। इस बार किसी बल्लेबाज का शतक भी जीत की गारंटी नहीं माना जा रहा है क्योंकि पांच बार ऐसा हो गया है जब बल्लेबाज के शतक लगाने के बाद भी उसकी टीम हारी है। इस सत्र में अब तक 41 मैचों में 9 शतक लगे हैं। इसमें हैरान करने वाली बात ये रही है 5 बार ऐसा हुआ जब बल्लेबाज ने शतक लगाया पर टीम को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस के दो सलामी बल्लेबाजों, क्विंटन डिकॉक और रयान रिकल्टन, ने पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाए पर दोनो बार ही टीम को हार मिली। दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 152 रन

बनाए पर इसके बाद भी पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम को हार मिली। गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ एक शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। ,वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शतक लगाया पर इसके बाद भी टीम हार गयी।

दूसरी ओर चार बल्लेबाजों के शतकों से उनकी टीम को जीत मिली है। चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने इस सीजन में दो शतक दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगाये और दोनों ही अवसरों पर सीएसके जीती है। मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस प्रकार कुल 9 शतकों में से केवल 4 शतक ही टीम को जीत दिला पाये। इसस साफ है कि आईपीएल में केवल एक बल्लेबाज का शतक ही जीत के लिए पर्याप्त नहीं है। जीत के लिए सभी को बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है। जीत के लिए पूरी टीम को एक ईकाई की तरह खेलते हुए हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है।बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं।इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो।इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो।ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा।वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये।पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो।इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद ।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते।गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही

किया।गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया।शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे।मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया।जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे।उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हसिल करने में सफल रही।इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया।मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई।अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे।इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

क्लासेन को एकदिवसीय विश्वकप के लिए शामिल करे दक्षिण अफ्रीका : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन की जमकर प्रशंसा की है।पीटरसन ने कहा है कि जिस प्रकार से क्लासेन खेल रहे हैं।उसको देखते हुए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को उन्हें संन्यास से वापसी करने को कहना चाहिये।इसके साथ ही साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी टीम में शामिल करना चाहिये। पीटरसन इंग्लैंड टीम में शामिल होने से पहले दक्षिणा अफ्रीकी मूल के क्रिकेटर रहे हैं।उनका मानना है जिस प्रकार की आक्रामक बल्लेबाजी क्लासेन करते हैं। उससे वह दक्षिण अफ्रीकी टीम को एकदिवसीय खिताब जिताने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। क्लासने ने जिस प्रकार से मुबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में केवल 30 गेंदों में नाबाद 65 रनों की आक्रामक पारी खेली उससे भी पीटरसन बेहद प्रभावित हैं।उनकी इस पारी में 7 शानदार चौके और 4 छक्के लगाये थे।क्लासेन इस सत्र में मध्यक्रम में सबसे आक्रामक बल्लेबाज बनकर सामने आये हैं। उन्होंने अब तक 9 पारियों में कुल 414 रन बनाए हैं, उनका औसत 59.14 जबकि स्ट्राइक रेट 157.41 का रहा है।पीटरसन ही नहीं दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने भी क्लासेन के प्रदर्शन की सराहतना की है।उन्होंने कहा कि मध्य क्रम में बल्लेबाजी करते हुए भी क्लासेन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के साथ रन और स्ट्राइक रेट में मुकाबला किया है।जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है।

व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम के लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हूंः भुवनेश्वर

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वह अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उनके लिए टीम की सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक महत्वपूर्ण है। यह 36 वर्षीय तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज है और इस कारण उनके पास पर्पल कैप है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा।

भुवनेश्वर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना

चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं।'

भुवनेश्वर ने कहा, 'लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है।'

RCB की टीम का लक्ष्य का पीछा करने में अच्छा रिकॉर्ड रहा है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसे पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी और उसकी टीम 155 रन पर आउट हो गई। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर आप इस बार IPL को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए।'

भुवनेश्वर ने आगे कहा, 'हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।'

गुजरात टाइटंस की तरफ से वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने 29 रन देकर दो विकेट लेने के अलावा तीन कैच भी लिए। उन्होंने 12 रन भी बनाए और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, 'जब हम नीलामी में जेसन को अपनी टीम में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे तो हमारा मकसद यही था कि वह बल्ले और गेंद दोनों की भूमिका निभा सके। उन्होंने पिछले कुछ समय में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है।'

आरसीबी पर जीत से गुजरात को दो अंकों का लाभ, तालिका में पांचवें स्थान पर बरकरार

मुम्बई ।गुजरात टाइटंस टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले के बाद अंक तालिका में कोई बदलाव नहीं आया है और सभी टीमें अपने ही स्थानों पर हैं।केवल गुजरात को 2 अंक का लाभ हुआ है।वहीं आरसीबी के हाथ से हार के कारण अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर पहुंचने का अवसर निकल गया।इस मैच के परिणाम के बाद भी अंकतालिका में सभी टीमें अपनी–अपनी जगह पर बनी हुई हैं। अभी अंक तालिका में पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है।पंजाब ने 8 मैचों में 6 जीत और 1 मैच बारिश के कारण बाधित होने के कारण नहीं हो पाने के बाद भी 13 अंक लेकर नंबर एक पर ही है।वहीं आरसीबी 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंकों पर दूसरे स्थान पर है।वहीं तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसके 9 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हैं।वहीं, चौथे पायदान पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने 9 में से 6 मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए हैं।पर उनका 0.617 का नेट रन रेट अन्य टीम से कम है।वहीं गुजरात टाइटन्स ने बेंगलुरु के खिलाफ अपनी जीत के साथ 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार के साथ 10 अंक हासिल कर लिए हैं और वह शीर्ष 5 में अपनी जगह बनाए रखने वाली पांचवीं टीम बन गई है।इस जीत से उसका रन रेट भी बेहतर हुआ है।छठे स्थान पर चेन्नई सुपर किंग्स है, उसने 8 मैचों में 3 जीत और 5 हार के साथ 6 अंक हासिल कर पाई है।

कमेंट्री बॉक्स में महिला कमेंटेटर को चूमने के कारण विवादों में आये रमीज राजा

लाहौर ।पाकिस्तान में जारी सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में कमेंट्री कर रहे पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर रमीज राजा विवादों में आ गये हैं।रमीज लीग में कमेंट्री के लिए आई ऑस्ट्रेलिया की पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्टालेकर को गले लगाते और किस करते हुए दिखे।उनका एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।इस घटना के बाद से ही क्रिकेट प्रशंसकों ने रमीज पर हमला बोला है।वीडियो में इस घटना के पीछे का पूरा कारण या बातचीत स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई है।जिससे ये अंदाज नहीं हुआ है कि रमीज ने ऐसा क्यों किया हालांकि वायरल क्लिप में रमीज लिसा को गले लगाते और फिर उनके गाल पर किस करते हुए नजर आये।इस क्लिप के सामने आते ही उनपर हमला शुरु हो गया।कुछ लोगों द्वारा उनके आचरण पर उठाये गये।वहीं कई ने कहा कि इस प्रकार का व्यवहार उन्हें नहीं करना चाहिये था। कई यूजर्स ने इसे अनावश्यक करार दिया, जबकि कुछ ने इसे सिर्फ एक दोस्ताना भाव बताया।46 वर्षीय लिसा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर रही हैं।पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहले भी रमीज विवादों में रहे हैं।एक बार कमेंट्री के दौरान उन्होंने गलती से कैच ऑफ द आईपीएल कह दिया था, हालांकि उन्होंने तुरंत अपनी गलती सुधारी और कमेंट्री को जारी रखा।इसके अलावा, एक मैच में टॉस से ठीक पहले दो मस्कट्स की आपस में लड़ाई का एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था।

दो श्रीलंकाई अंडर–19 क्रिकेटर महिलाओं का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार

कोलंबो ।श्रीलंकाई अंडर– 19 क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों को कोलंबो के एक होटल में महिलाओं के निजी पलों का वीडियो बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।इस शर्मनाक मामले के सामने आने के बाद से श्रीलंकाई बोर्ड भी सकते में हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार, यह मामला नराहेंपिटा स्थित एक होटल का है जहाँ ये खिलाड़ी ठहरे हुए थे। इसी होटल में रुकी कुछ महिलाओं ने शिकायत की कि जब वे अपने बाथरूम में थीं, तब मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर उनका वीडियो बनाया जा रहा था।इस शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपी खिलाड़ियों को हिरासत में ले लिया गया हालांकि बाद में, दोनों खिलाड़ियों को 500,000 श्रीलंकाई रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। नराहेंपिटा पुलिस जांच कर रही है कि क्या इन वीडियो को ऑनलाइन साझा किया गया था।अगर ऐसा हुआ तो ये मालमा और भी बढ़ा हो जाएगा। खिलाड़ियों को पहली सुनवाई के लिए अलुथकाडे मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था और उन्हें 25 मई को दोबारा अदालत में हाजिर होना है।

वहीं इस मामले में अभी तक श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।बोर्ड की तरफ से इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई भी नहीं की गई है।इसका कारण ये कहा गया है कि बोर्ड में भी बदलाव हो रहे हैं और इसमें पिछले अधिकारियों को हटाकर एक नई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी बनायी गयी है।वही अब इस मामले को देखेगी पर माना जा सकता है इस पूरे मामले पर बोर्ड बेहद कड़ी सजा सुनाएगाहै।अभी खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं पर इससे क्रिकेट जगत शर्मिंदा महसूस कर रहा है।ऐसे में, अब देखना है कि श्रीलंकाई बोर्ड इन क्रिकेटरों पर क्या कर्रवाई करता है।

इस सीजन के आखिर में टेनिस खिलाड़ी निशिकोरी केई लेंगे संन्यास

टोक्यो (एजेंसी)। ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष और रियो ओलंपिक 2016 के कांस्य पदक विजेता जापान के निशिकोरी केई ने इस सीजन के आखिर में टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की है। 36 साल के निशिकोरी केई ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम और एक्स पर जापानी और इंग्लिश में लिखा, 'आज, मैं एक घोषणा कर रहा हूं। मैंने इस सीजन के आखिर में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का फैसला किया है।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं बच्चा था, तब से मुझे टेनिस का जुनून रहा है और मैंने अपने दिल में सिर्फ़ एक सपना लेकर इसे जारी रखा है' मैं वर्ल्ड 'स्टेज पर मुकाबला करना चाहता हूं। एटीपी टूर तक पहुंचना, सबसे ऊंचे स्तर के मुकाबले में खेलना और टॉप 10 में अपनी मौजूदगी बनाए रखना, ऐसी चीज है जिस पर मुझे बहुत गर्व है। चाहे जीत हो या हार, खचाखच भरे एरीना में मुझे जो खास माहौल महसूस हुआ, उसकी जगह कोई नहीं ले सकता।'

निशिकोरी ने पहली बार पांच साल की उम्र में रैकेट उठाया था, और 13 साल की उम्र में .स. चले गए। उन्होंने फरवरी 2008 में डेलरे बीच ओपन में टूर पर अपना पहला खिताब जीता। जापान के पहले पुरुष खिलाड़ी जो कभी टॉप 10 में पहुंचे, निशिकोरी ने 2014 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में उस समय के टॉप रैंक वाले नोवाक जोकोविच को हराया (वह चैंपियनशिप मैच में मारिन सिलिक से हार गए)। रियो में अपने दूसरे ओलंपिक में, निशिकोरी ने कांस्य पदक मुकाबले राफेल नडाल को हराया। हालांकि, निशिकोरी अपने पीक सालों में कई चोटों के कारण एक मुश्किल ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने का मौका चूक गए। अभी उनके करियर में 451 जीत और 12 खिताब हैं।

निशिकोरी ने कहा, 'ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से मैं फ्रस्ट्रेशन और एंग्जायटी से बहुत ज्यादा परेशान हो जाता था, जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था। फिर भी, टेनिस के लिए मेरा प्यार और मेरा यह विश्वास कि मैं एक मज़बूत खिलाड़ी बन सकता हूं, मुझे हमेशा कोर्ट पर वापस लाता था। मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी ज़िंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत शुक्रगुजार हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। सच कहूं तो, मैं अब भी चाहता हूं कि मैं अपना खेल करियर जारी रख सकूं। फिर भी, अब तक की हर बात को पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैंने अपना सब कुछ दिया। मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (शनिवार) 2 मई 2026

16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे प्रियदर्शन

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।''

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।''

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।''

उन्होंने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।''

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

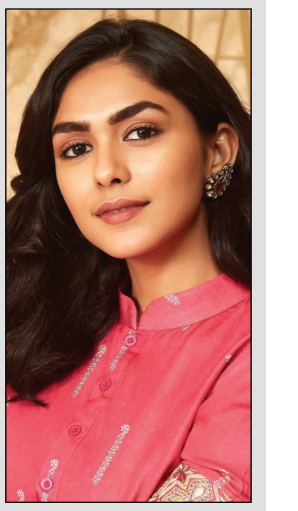

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण की एंट्री

दीपिका पादुकोण बीते दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद सुर्खियों में आ गई थीं। इस बीच अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने वेरोनिका के किरदार में वापसी कर सकती हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने 'कॉकटेल' के किरदार में ही कैमियो कर सकती हैं। जानिए आखिर क्यों उठीं ऐसी चर्चाएं हैं और क्या है सच्चाई? दरअसल, रेडिट पर एक पोस्ट के बाद से ही फैंस के बीच इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में 2012 की 'कॉकटेल' के लोकप्रिय और बिंदास किरदार वेरोनिका में कैमियो करेंगी। पोस्ट के अनुसार, दीपिका कुछ महीने पहले मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस गई थीं। उस समय कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि यह मुलाकात 'महावतार' से जुड़ी थी। लेकिन पोस्ट में दावा किया गया है कि दरअसल उन्हें सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में आने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा था। उन्होंने इसके लिए हामी भर दी और उसी दौरान अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 की 'कॉकटेल' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग होने की बात कही जा रही है।

हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राणा दग्गुबाती अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं। खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

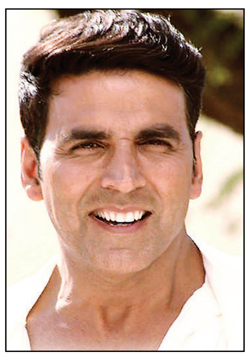

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आ रहे हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

संक्षिप्त समाचार

यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया स्वागत, बताया इसका फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात के तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का स्वागत किया है। ट्रंप ने कहा कि यूएई के इस कदम से वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। यूएई ने मंगलवार को तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से बाहर निकलने का एलान किया था। यूएई के इस फैसले का वैश्विक तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है। डोनाल्ड ट्रंप से जब यूएई के फैसले को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ये अच्छा फैसला है। मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं, मोहम्मद बेहद चतुर हैं और वे शायद अपनी राह पर चलना चाहते हैं। ये अच्छी बात है क्योंकि इससे वैश्विक तेल और गैस की कीमतें कम होंगी। उनके पास ये सभी चीजें हैं। वे एक अच्छे नेता हैं और मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं हैं। उन्हें ओपेक से कुछ समस्या होगी।' यूएई दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। एएसके वेल्थ एडवाइजर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूएई के ओपेक से निकलने के फैसले का तेल की कीमतों पर क्या असर पड़ेगा ये फिलहाल स्पष्ट नही है। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि हो सकता है कि तुरंत तेल की कीमतों पर असर न पड़े लेकिन यूएई के फैसले से तेल की आपूर्ति के नियंत्रण पर असर जरूर पड़ेगा। साथ ही इससे तेल के कार्टेल पर भी असर पड़ेगा। पश्चिम एशिया संकट के चलते पहले ही तेल बाजार अस्थिर है। मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक ने चेतावनी दी है कि बढ़ते भू राजनीतिक तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में संकट बढ़ेगा। उन्होंने यूएई के ओपेक से बाहर निकलने के फैसले की आलोचना की और इसे रणनीतिक गलती करार दिया।

कतर जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर, एक मई से हमाद एयरपोर्ट के लिए शुरू होंगी उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप सरकार द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध को लेकर संसद में तीखी बहस देखने को मिली। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ जब कांग्रेस के सामने पेश हुए, तो विपक्षी नेताओं ने युद्ध के खर्च और उद्देश्य पर सवाल उठाए। इस युद्ध पर अब तक करीब 25 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। कई सांसदों ने आरोप लगाया कि बिना संसद की मंजूरी के युद्ध शुरू करना गलत है। वहीं सरकार का कहना है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी खतरा बना हुआ है। हालांकि फिलहाल संघर्षविराम लागू है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस मुद्दे पर अमेरिका की राजनीति में भी मतभेद साफ नजर आ रहे हैं। कतर में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर एक जरूरी जानकारी साझा की है। भारतीय एयरलाइंस अब दोहा के हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए अपनी सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी में हैं। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो एक मई 2026 से दोहा और भारत के अलग-अलग शहरों के बीच अपनी उड़ानें फिर से शुरू करने की योजना बना रही हैं। दूतावास ने बताया कि उड़ानों का यह संचालन संबंधित अधिकारियों और एयरलाइन पार्टनर्स के साथ तालमेल बिठाकर किया जा रहा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी उड़ानों के समय, बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस के लगातार संपर्क में रहें। यह फैसला क्षेत्र में विमान सेवाओं के लगातार हो रहे विस्तार को देखते हुए लिया गया है।

भारत को 'कोहिनूर' लौटाएगा ब्रिटेन? : किंग चार्ल्स से न्यूयॉर्क के मेयर की अपील ; ममदानी के बयान से चर्चाएं तेज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से चल रहे एक ऐतिहासिक विवाद को फिर से चर्चा में ला दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्हें ब्रिटेन के राजा राजा चार्ल्स तृतीय से मिलने का मौका मिलता है, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने की मांग करेंगे। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मेयर ममदानी से पूछा गया कि वे राजा से क्या कहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी औपचारिक बात के सीधे इस मुद्दे को उठाया। उनका कहना था कि कोहिनूर सिर्फ एक हीरा नहीं, बल्कि भारत के इतिहास, गौरव और ब्रिटिश शासन के दौरान हुए अन्याय का प्रतीक है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क में 9/11 स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के दौरान राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद कहा, 'अगर मुझे राजा से अलग से बात करने का मौका मिलता, तो मैं शायद उन्हें कोहिनूर हीरा लौटाने के लिए प्रोत्साहित करता। दरअसल, कोहिनूर हीरा भारत के आंध्र प्रदेश के कोल्लूर खान से निकला था और यह कई भारतीय शासकों, मुगलों और सिखों, के पास रहा।

ट्रंप ने होर्मुज का नाम बदलकर 'ट्रंप जलडमरूमध्य' किया, सोशल मीडिया पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कुछ ऐसा कर दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर ट्रंप जलडमरूमध्य कर दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट को री-पोस्ट किया, जिसमें होर्मुज की तस्वीर को ट्रंप जलडमरूमध्य दिखाया गया है। हालांकि जिस यूजर की पोस्ट को ट्रंप ने री-पोस्ट किया है, वह पोस्ट नहीं दिख रही है। पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवन रेखा है होर्मुज जलडमरूमध्य : होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान की खाड़ी के बीच में स्थित दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन समुद्री मार्गों में से एक है। इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवन रेखा माना जाता है। दुनिया का करीब 20-30 प्रतिशत कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। ईरान अमेरिका और इस्राइल युद्ध के चलते ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई और दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल आया। अब अमेरिका ने भी होर्मुज की नाकाबंदी कर दी है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, लेकिन अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की

नाकाबंदी की हुई है। ईरान ने समझौते के लिए होर्मुज को खोलने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने होर्मुज की नाकाबंदी को सही बताते हुए कहा कि 'नाकाबंदी, बमबारी से ज्यादा प्रभावी है। ईरान बुरी तरह फंसा हुआ है और उनका दम घुट रहा है। अभी उनकी स्थिति और खराब होगी।'

ट्रंप का दावा- भारी दबाव में है ईरान की सरकार : ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज नाकाबंदी से ईरान पर भारी दबाव पड़ रहा है और वे जल्द से जल्द समझौता करना चाहते हैं। हालांकि ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बंद कराने की मांग पर अड़े हैं। इससे गतिरोध की स्थिति पैदा हो गई है। ट्रंप सरकार का मानना है कि होर्मुज की नाकाबंदी से ईरान तेल की आपूर्ति नहीं कर पाएगा और इससे ईरान अंदरूनी तौर पर कमजोर होगा। ट्रंप का दावा है कि ईरान के ऊर्जा केंद्र बंद होने के कगार पर हैं और तेल निर्यात न कर पाने के कारण ईरान की सरकार भारी दबाव में है।

एक महीने के उच्च स्तर पर कच्चा तेल: यूएस ने ईरान पर नाकेबंदी को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश, आपूर्ति की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के जरिये आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा की चिंताओं से बुधवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पांच

फीसदी से अधिक बढ़कर एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। कच्चे तेल में उछाल का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला और यह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 94.88 पर बंद हुआ। दरअसल, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों को ईरान पर नाकेबंदी को और आगे बढ़ाने की तैयारी करने का निर्देश दिया है। इससे पश्चिम एशिया के इस अहम तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति में रुकावटें और लंबे समय तक बनी रहने की आशंका है। इस रिपोर्ट के बाद वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमतें 6.08 डॉलर या 5.5 फीसदी बढ़कर 117.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं। यह 31 मार्च के बाद ब्रेंट क्रूड का एक महीने का उच्च स्तर है। यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 5.26 डॉलर या 5.3 फीसदी उछलकर 105.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसके साथ ही, तेल में आठ दिनों से तेजी का सिलसिला जारी है।

रुपये में बना रहेगा उतार-चढ़ाव : क्रूड की कीमतों में उछाल के साथ विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी से भी बुधवार को रुपये में गिरावट आई।?फॉरेक्स कारोबारियों ने कहा, क्रूड 115 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत के आयात खर्च पर असर पड़ने की आशंका है। पश्चिम एशिया संकट और इसके व्यापक संघर्ष में बदलने की आशंकाओं ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई है। आने वाले समय में रुपये में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.79 पर खुला और कारोबार के दौरान 94.88 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले रुपया 27 मार्च को 94.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

होर्मुज सुरक्षा के लिए अमेरिका बनाएगा नया गठबंधन, वैश्विक व्यापार-ऊर्जा संकट से बढ़ी चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने एक बड़ी रणनीतिक पहल शुरू की है। व्हाइट हाउस अब एक नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को तैयार करने की कोशिश में है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी मीडिया द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रस्तावित योजना का नाम मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट (एमएफसी) रखा गया है। इसका मकसद विभिन्न देशों को एक साथ लाकर समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा को मजबूत करना है। इस योजना में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड मिलकर काम करेंगे। विदेश विभाग कूटनीतिक नेतृत्व करेगा, जबकि सेंट्रल कमांड समुद्री निगरानी और सूचना साझा करने का जिम्मा संभालेगा।

वैश्विक देशों से समर्थन की अपील : अमेरिका अपने साझेदार देशों से इस गठबंधन में शामिल होने की अपील कर रहा है। रिपोर्ट के

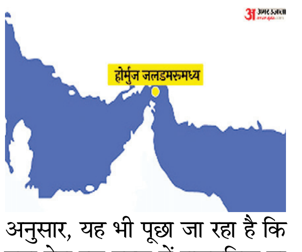

अनुसार, यह भी पूछा जा रहा है कि क्या देश इस पहल में राजनयिक या सैन्य साझेदार बनना चाहते हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सामूहिक कार्रवाई से वैश्विक व्यापार मार्गों को सुरक्षित किया जा सकेगा और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

ईरान के साथ तनाव और समुद्री टकराव : यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया है कि जब तक ईरान परमाणु समझौते पर सहमत नहीं होता, तब तक समुद्री नाकाबंदी जारी रहेगी। वहीं ईरान की ओर से चेतावनी दी गई है कि इस नाकाबंदी का जवाब अभूतपूर्व कार्रवाई से दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि यह संघर्ष आगे बढ़कर या तो किसी नए परमाणु समझौते में बदल सकता है या फिर लंबा सैन्य तनाव बन सकता है। फिलहाल, दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है।

रिकॉर्ड बनाकर लौट रहा अमेरिकी विमानवाहक पोत, ईरान में जंग से लेकर वेनेजुएला तक रही भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड 300 दिनों से अधिक की रिकॉर्ड-सेटिंग तैनाती के बाद घर लौट रहा है। अमेरिकी अधिकारियों ने 28 अप्रैल को यह जानकारी दी। इस तैनाती में ईरान के खिलाफ युद्ध और वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने में भागीदारी शामिल थी। फोर्ड मई के मध्य में अपने वर्जीनिया स्थित घरेलू बंदरगाह पर वापस आएगा। फोर्ड अगले कुछ दिनों में मध्य पूर्व छोड़ देगा। पिछले सप्ताह यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश के क्षेत्र में पहुंचने से मध्य पूर्व में तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत तैनात हो गए थे। 2003 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। ईरान युद्ध में नाजुक युद्धविराम के दौरान यह स्थिति बनी। यूएसएस अब्राहम लिंकन भी जनवरी 2026 से क्षेत्र में मौजूद है। अप्रैल 2026 में, फोर्ड ने वियतनाम युद्ध के बाद की सबसे लंबी अमेरिकी तैनाती का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जून 2025 में नौसेना स्टेशन नॉरफ़ॉक से निकलने के बाद यह लगभग दस महीने की अवधि थी। जहाज के 295वें दिन समुद्र में रहने से पिछले 50 वर्षों की सबसे लंबी तैनाती का रिकॉर्ड टूट गया। यह तैनाती 2020 में लिंकन द्वारा 294 दिनों की पिछली सबसे लंबी तैनाती से अधिक थी। उस समय लिंकन को कोविड-19 महामारी के दौरान भेजा गया था। हालांकि, फोर्ड की 295 दिनों की तैनाती शीत युद्ध के दौरान की सबसे लंबी तैनाती से कम है। वह रिकॉर्ड अब निष्क्रिय हो चुके यूएसएस मिडवे के पास है। मिडवे को 1972 और 1973 में 332 दिनों के लिए तैनात किया गया था। हाल ही में, यूएसएस निमित्ज का दल 2020 और 2021 में कुल 341 दिनों तक घर से दूर रहा था। फोर्ड ने अपनी तैनाती भूमध्य सागर की ओर बढ़कर शुरू की थी। अक्टूबर 2025 में इसे कैरेबियन सागर की ओर मोड़ दिया गया। यह दशकों में क्षेत्र में सबसे बड़े नौसैनिक निर्माण का हिस्सा था। विमानवाहक पोत ने मादुरो को पकड़ने के सैन्य अभियान में भाग लिया। ईरान के साथ तनाव बढ़ने पर यह मध्य पूर्व की ओर बढ़ा। मार्च 2026 की शुरुआत में यह स्वेज नहर से होते हुए लाल सागर में गया।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: वोटिंग राइट्स एक्ट कमजोर, ओबामा-हैरिस ने बताया लोकतंत्र के लिए काला दिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनावी कानून को लेकर एक बड़ा और विवादास्पद फैसला सामने आया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लुइसियाना बनाम कैलाइस मामले में 6-3 के बहुमत से ऐसा निर्णय दिया, जिसने वोटिंग राइट्स एक्ट की धारा 2 के प्रभाव को काफी हद तक सीमित कर दिया है। इस फैसले के बाद अब किसी भी चुनावी नक्शे को नस्लीय आधार पर चुनौती देना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो जाएगा। कोर्ट के इस निर्णय ने अमेरिका की राजनीति और नागरिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

क्या है पूरा मामला : इस फैसले को जस्टिस सैमुअल अलिटो ने लिखा। उन्होंने कहा कि अदालत को यह मानकर चलना चाहिए कि राज्य सरकारें सद्भावना में काम कर रही हैं। कोर्ट ने नस्लीय गेरिमैंडरिंग और

राजनीतिक गेरिमैंडरिंग के बीच फर्क को और स्पष्ट किया। 2019 के एक फैसले के अनुसार, राजनीतिक आधार पर बनाए गए नक्शों को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। अब नए फैसले के बाद, अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि नक्शा नस्लीय भेदभाव के लिए बनाया गया है, तो उसे और अधिक ठोस सबूत पेश करने होंगे।

ओबामा और हैरिस की तीखी प्रतिक्रिया : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले की कड़ी आलोचना की है, जो मतदान अधिकारों से जुड़ा है। ओबामा ने कहा कि यह फैसला वोटिंग राइट्स एक्ट के एक अहम हिस्से को कमजोर करता है। उनके अनुसार इससे राज्यों को यह मौका मिल सकता है कि वे चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं ऐसे तरीके से बदलें, जिससे काले और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का वोटिंग असर कम हो जाए। उन्होंने कहा कि अगर राज्य इसे राजनीतिक वजह बताकर करें, तो इसे रोकना मुश्किल होगा। ओबामा ने इसे लोकतंत्र के लिए एक झटका बताया, लेकिन लोगों से अपील की कि वे हर चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोट करें और सक्रिय रहें। कमला हैरिस ने इस फैसले को सत्ता हथियाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि कानून की धारा-2 के तहत ब्लैक और ब्राउन वोटर्स को संघीय सुरक्षा मिलती थी। अब भेदभाव रोकने वाला यह प्रावधान कमजोर होगा। उनके अनुसार कुछ राज्य, खासकर दक्षिणी अमेरिका में, जल्द ही चुनावी नक्शे बदल सकते हैं ताकि अपने राजनीतिक फायदे के लिए सीटों को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इससे आम लोगों की समस्याएं जैसे महंगाई, गैस, घर और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से ध्यान हट जाता है।

13 वर्षीय मासूम से दरिंदगी करने वाले को आज फांसी: 50 साल बाद मिला न्याय, दोषी को दिया जाएगा मौत का इंजेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में लगभग पांच दशक पुराने जघन्य अपराध के मामले में दोषी करार दिए गए जेम्स अर्नेस्ट हिचकॉक को आज शाम मौत की सजा दी जाएगी। 70 वर्षीय हिचकॉक को 13 वर्षीय सौतेली भतीजी के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी पाया गया था।

कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, 31 जुलाई 1976 को हिचकॉक अपने भाई के घर में रह रहा था। घटना वाले दिन वह दोस्तों के साथ कई घंटों तक शराब पीने और मारिजुआना का सेवन करने के बाद घर लौटा। इसके बाद उसने 13 वर्षीय मासूम के कमरे में जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब लड़की ने कहा कि वह घायल है और अपनी मां को सब कुछ बताएगी, तो हिचकॉक ने उसे कमरे से बाहर जाने से रोकने की कोशिश की और फिर उसका गला दबाना शुरू कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक, वह लड़की को घर के बाहर ले गया, जहां उसने उसे पीटा और गला दबाया, जब तक कि वह पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हो गई। इसके बाद उसने शव को पास की झाड़ियों में फेंक दिया। वारदात के बाद हिचकॉक घर लौटा, नहाया और सो गया।

ट्रायल के दौरान बदला बयान : ट्रायल के दौरान हिचकॉक ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि हत्या उसने नहीं बल्कि उसके भाई ने की थी। उसने दावा किया कि लड़की के साथ सहमति से संबंध बनाने के बाद उसका भाई कमरे में आया, उसे बाहर ले गया और गुस्से में उसकी पिटाई व गला घोंटकर हत्या कर दी। हिचकॉक ने कहा कि उसने अपने भाई को बचाने के लिए पहले अपराध अपने ऊपर लिया था।

सजा और लंबी कानूनी लड़ाई : हिचकॉक को 1977 में पहली बार मौत की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अपीलों और कानूनी प्रक्रियाओं के चलते उसे 1988, 1993 और 1996 में दोबारा मौत की सजा सुनाई गई। हाल ही में फ्लोरिडा सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी रोकने की अपील खारिज कर दी। उसके वकीलों ने दलील दी थी कि वह निर्दोष है और राज्य ने उसे मृत्युदंड से जुड़े सार्वजनिक रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं दी, जिससे उसके बचाव का अधिकार प्रभावित हुआ। फिलहाल उसकी अंतिम अपील अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

फ्लोरिडा में बढ़ती मृत्युदंड की संख्या : यह इस साल फ्लोरिडा में छठी फांसी होगी। राज्य के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के कार्यकाल में 2025 में रिकॉर्ड 19 लोगों को फांसी दी गई थी, जो 1976 में मृत्युदंड बहाल होने के बाद किसी भी साल में सबसे ज्यादा है। 2014 में आठ फांसी का पिछला रिकॉर्ड था, जिसे 2025 में पीछे छोड़ दिया गया। फ्लोरिडा में 21 मई को एक और मृत्युदंड प्रस्तावित है। 47 वर्षीय रिचर्ड नाइट को अपनी कजिन की गर्लफ्रेंड और उसकी चार साल की बेटी की हत्या के मामले में मृत्युदंड दिया जाना है। साल 2025 में पूरे अमेरिका में कुल 47 लोगों को मृत्युदंड दी गई। फ्लोरिडा इस मामले में सबसे आगे रहा, जबकि अलबामा, साउथ कैरोलाइना और टेक्सास दूसरे स्थान पर रहे, जहां पांच-पांच मृत्युदंड दिया गया।

ट्रंप को धमकी देने के आरोप में फंसे एफबीआई के पूर्व प्रमुख, ट्रंप बोले- जेम्स कोमी बुरे और भ्रष्ट आदमी हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफबीआई के पूर्व प्रमुख जेम्स कोमी पर बुधवार को तीखा हमला बोला और जेम्स कोमी को बुरा और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी बताया। जेम्स कोमी, डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की कथित धमकी देने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जेम्स कोमी ने एक रहस्यमयी पोस्ट किया था, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप को धमकाने के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रंप ने जेम्स कोमी को लेकर क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अगर कोई भी अपराध के बारे में जानता है तो उन्हें पता होगा कि 86 का मतलब क्या होता है। इसे अपराध की भाषा में हत्या करने के तौर पर देखा जाता है। आपने फिल्मों में देखा होगा कि अपराधी अपने सहयोगियों से किसी के लिए कहते हैं कि उसकी हत्या कर दो और इसके लिए 86 नंबर का इस्तेमाल करते हैं।' ट्रंप ने कहा कि उनकी जान खतरे में थी और जेम्स कोमी जैसे लोग खतरनाक हो सकते हैं। जेम्स कोमी एक बुरे और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी की। उन्होंने हिलेरी क्लिंटन की मदद की।

कोमी पर ट्रंप को धमकी देने का है आरोप : जेम्स कोमी, अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व प्रमुख रह चुके हैं और साल 2017 में ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया था। बीते साल मई में जेम्स कोमी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पत्थरों की एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें पत्थरों को इस

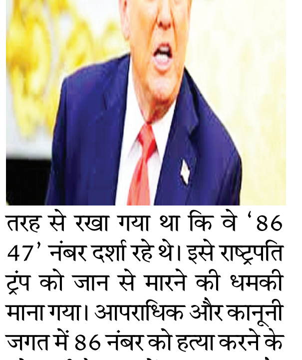

तरह से रखा गया था कि वे '86 47' नंबर दर्शा रहे थे। इसे राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी माना गया। आपराधिक और कानूनी जगत में 86 नंबर को हत्या करने के कोडवर्ड के रूप में जाना जाता है। वहीं 47 को डोनाल्ड ट्रंप से जोड़ा जा रहा है क्योंकि वे अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति हैं। हालांकि जेम्स कोमी ने खुद को निर्दोष बताया और कहा कि वे निर्दोष हैं और उन्हें किसी का डर नहीं है। कोमी ने न्याय विभाग की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और कहा कि न्याय विभाग ऐसे काम नहीं करता।

जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई उत्तरी कैरोलिना में हो रही इसी पोस्ट के लिए अमेरिका के न्याय विभाग ने जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसकी सुनवाई उत्तरी कैरोलिना की संघीय अदालत में हो रही है। राष्ट्रपति को धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज होने के बाद बुधवार को जेम्स कोमी ने आत्मसमर्पण कर दिया। हालांकि 10 मिनट सुनवाई के बाद उन्हें जाने दिया गया। फिलहाल अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तय नहीं की है।

ट्रंप का डबल अटैक: ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी को बताया जीनियस, कहा- परमाणु हथियार छोड़े बिना नहीं होगी कोई डील

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे जीनियस बताते हुए साफ कहा कि जब तक ईरान अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म नहीं करता, तब तक कोई समझौता नहीं होगा।

ट्रंप ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह पूरी तरह सफल और फुलप्रूफ रही है। उनके मुताबिक, इससे अमेरिकी नेवी की ताकत साफ नजर आती है और अब कोई भी देश अमेरिका के सामने चालबाजी नहीं कर पाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल से ही सेना को लगातार मजबूत किया गया है, जिससे आज अमेरिका दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत बन चुका है। आगे बोलते हुए ट्रंप ने वेनेजुएला और ईरान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला की सेना कुछ ही समय में ढह गई थी और ईरान के मामले में भी अमेरिका ने सैन्य रूप से उसे पूरी तरह कमजोर कर दिया है। उनके अनुसार, ईरान की नौसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसकी वायुसेना भी अब प्रभावी भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं है।

नो न्यूक्लियर, तभी डील- ट्रंप का स्पष्ट संदेश : ट्रंप ने दो टूक कहा कि कोई भी समझौता तभी संभव है जब ईरान परमाणु हथियार बनाने की दिशा पूरी तरह छोड़ दे। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अब बातचीत पहले की तरह आमने-सामने नहीं बल्कि फोन के जरिए हो रही है। ट्रंप के अनुसार, इस नाकेबंदी से ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है और देश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नाकेबंदी के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार पर भी असर पड़ा है, जिससे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। डिप्लोमैटिक

कोशिशों पर ट्रंप ने कहा कि बातचीत का सिलसिला जारी है, लेकिन अब तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया कि हर बार लंबी उड़ान भरकर आमने-सामने मिलने के बजाय अब अधिकतर बातचीत फोन के जरिए हो रही है, जिससे प्रक्रिया आसान और तेज हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि आमने-सामने बातचीत को वह अब भी ज्यादा प्रभावी मानते हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने जानकारी दी कि अब तक 42 व्यापारिक जहाजों को वापस लौटाया जा चुका है, जो नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान के समुद्री व्यापार पर बड़ा असर डाल रही है और अमेरिकी सेना लगातार निगरानी बनाए हुए है। ईरान का प्रस्ताव और अमेरिका का रुख मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने शर्तों के साथ युद्धविराम का प्रस्ताव दिया है, जिसमें नाकेबंदी हटाने की मांग शामिल है। हालांकि अमेरिका ने फिलहाल इस पर सख्त रुख अपनाया है और साफ कर दिया है कि परमाणु कार्यक्रम पर समझौता किए बिना कोई राहत नहीं दी जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य बना तनाव का केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इस समय अमेरिका-ईरान तनाव का सबसे अहम केंद्र बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्गों में से एक है, जहां सामान्य दिनों में रोजाना 100 से अधिक जहाज गुजरते थे, लेकिन मौजूदा संकट में यातायात काफी कम हो गया है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.